www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 215 • ठाणे, शुक्रवार 1 मई, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

सुप्रभात

जो प्रेमपूर्वक मिले उससे दौड़कर मिलना चाहिए, परंतु जो हृदय खोलकर न मिले, उससे कभी नहीं मिलना चाहिए। - **कबीर**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (1 मई) 7:01 बजे, सूर्योदय (2 मई) 6:08 बजे, **तापमानः 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

जबलपुर में नर्मदा पर बने बरगी बांध में 40 टूरिस्टों से भरा क्रूज डूबा, 6 शव मिले, 15 से ज्यादा लापता, 18 को बचाया

हिंदमाता नेटवर्क @ जबलपुर

जबलपुर के बरगी बांध में टूरिस्टों से भरा एक क्रूज अचानक डूब गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे के वक्त क्रूज में करीब 35 से 40 लोग सवार थे। पुलिस के मुताबिक अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 18 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

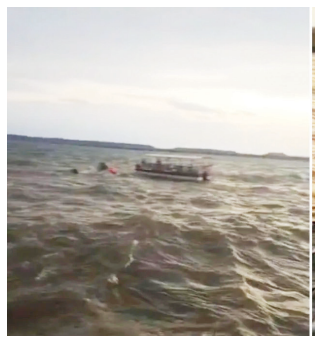

अचानक डूबने लगा क्रूज

मिली जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार शाम के समय हुआ। एक क्रूज में करीब 35 से 40 टूरिस्ट सवार थे। क्रूज नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में इन टूरिस्टों को सैर करा रहा था, तभी अचानक से बांध में डूबने लगा। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी अंजुल अयक मिश्रा मौके पर फोर्स के साथ पहुंचे।

अब तक डूब रहे अठारह लोगों को बचाया गया

आनन-फानन में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को बुलाया गया। दोनों टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सीएसपी अंजुल अयक मिश्रा के मुताबिक, अब तक छह पर्यटकों के शव बरामद किए गए हैं। अब तक 18 लोगों को बचाया गया है। बाकी अन्य लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी भी घटनास्थल पर मौके पर मौजूद हैं।

तेज आंधी-तूफान में क्रूज का बैलेंस बिगड़ा

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार शाम के समय अचानक बरगी बांध के पास तेज आंधी-तूफान आया। इसी समय क्रूज नर्मदा नदी के गहरे बैकवाटर में था। पानी की ऊंची लहरों और तेज हवा के दबाव के कारण क्रूज अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते पानी में समा गया। यह क्रूज मध्य प्रदेश पर्यटन निगम यानी एमपीटी के द्वारा संचालित किया जाता है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हादसे की जानकारी मिलते ही जबलपुर के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह बरगी बांध के लिए रवाना हुए। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ-साथ स्थानीय लोग भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अचानक आए तूफान की वजह से क्रूज चालक को संभलने का मौका नहीं मिला। फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने की है।

शॉर्ट स्टोरी

क्लोरीन गैस का रिसाव, 24 लोग पहुंचे अस्पताल

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के कोंढवा में बंद पड़े जल शोधन संयंत्र से बुधवार देर रात क्लोरीन गैस रिसाव के कारण कम से कम 22 निवासियों और दो दमकलकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव रात करीब एक बजे गंगाधाम इलाके में बंद पड़े जल शोधन संयंत्र के गोदाम में क्लोरीन से भरे टैंक से हुआ। गैस रिसाव से आसपास के निवासियों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों को मौके पर भेजा गया। कई नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और सुरक्षा उपकरणों की सहायता से रिसाव वाले टैंक की मरम्मत की गई।

मुंबई के बाद ठाणे में डबल डेकर बस सेवा

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

जल्द ही मुंबई की तरह ठाणे की सड़कों पर डबल डेकर बसें दौड़ती दिखेंगी। ठाणे महानगरपालिका का बजट पेश करते समय मनपा आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे महानगरपालिका परिवहन सेवा (टीएमटी) के बड़े में 10 डबल डेकर बसों के शामिल करने की घोषणा की थी। प्रशासन की मानें तो पहली डबल डेकर बस बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार है। हालांकि उसे यात्रियों की सेवा में उपलब्ध कराने के लिए एक पखवाड़े से अधिक का समय लग सकता है। ठाणे शहर की आबादी 27 लाख से ज्यादा हो गई है। ठाणे मनपा परिवहन सेवा के बेड़े में कुल 407 बसें हैं। जिसमें से 381 बसें यात्रियों को सेवा दे रही हैं। लेकिन इन बसों की संख्या अपर्याप्त है।

मर्डर केस सुलझाने में खोजी कुत्ते की मदद

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे जिले में हत्या के एक मामले को सुलझाने में पुलिस के एक खोजी कुत्ते ने अहम भूमिका निभाई और इस मामले में आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया। श्वान दस्ते के सदस्य 'बेली' ने शव के पास मिली वस्तुओं के आधार पर जांचकर्ताओं को खडावली रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि आरोपी योगेश एकनाथ राणे (40) ने इस महीने की शुरुआत में पैसों के विवाद को लेकर अपने दोस्त राजेश योगीराज प्रभुल्कर (49) की कथित तौर पर हत्या कर दी थी। 21 अप्रैल को खडावली क्षेत्र में भातसा के पास पीड़ित का शव मिला था। पीड़ित का सिर और चेहरा कुचल दिया गया था।

कमिश्नर की फर्जी सही से बनाया वर्क ऑर्डर

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

जालसाजों ने कुंभ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष और नाशिक संभागीय आयुक्त डॉ. प्रवीण गेडाम के फर्जी डिजिटल हस्ताक्षरों का उपयोग करते हुए सीसीटीवी सर्वेक्षण, स्थापना और रखरखाव के लिए 35 करोड़ रुपए का एक बड़ा कार्य आदेश तैयार किया। यह आदेश ठाणे स्थित एक निजी एजेंसी के नाम पर बनाया गया था। लेकिन डॉ. गेडाम की पैनी नजरों ने इसे समय रहते पकड़ लिया। जालसाजों ने उनके नाम को प्रविन लिखा था, जबकि उनके आधिकारिक डिजिटल हस्ताक्षर में स्पेलिंग प्रवीण दर्ज है। इस सूक्ष्म त्रुटि को देखते ही आयुक्त समझ गए कि वर्क ऑर्डर ही जाली है।

बच्चू कडू को एमएलसी उम्मीदवार बनाकर शिंदे ने खेला बड़ा दांव

सभी का निर्विरोध चुना जाना तय

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 10 सीट के लिए गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल किए गए जिनमें से सत्तारूढ़ भाजपा ने छह उम्मीदवार मैदान में उतारे जबकि विपक्ष ने एकमात्र सीट के लिए एक उम्मीदवार का नामांकन करवाया है। इस एकमात्र सीट पर विपक्ष जीत हासिल कर सकता है। इस द्विवार्षिक चुनाव की निर्धारित तिथि 12 मई है और नामांकन की अंतिम तिथि बृहस्पतिवार को अंतिम क्षण तक अगर कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया जाता है तो संभवतः इन सभी का निर्विरोध चुना जाना तय है। विपक्ष की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता, शिवसेना (उबाठा) के अंबादास दानवे को मैदान में उतारा है। सत्ताधारी सहयोगी दलों में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोऱ्हे को फिर से उम्मीदवार बनाया और पूर्व विधायक बच्चू कडू भी मैदान में हैं। कडू गुरुवार को पार्टी में शामिल हुए और गोऱ्हे अपना पांचवां विधान परिषद चुनाव लड़ेंगी। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने सुनील विनायक कर्जतकर, माधवी नाईक, संजय नत्थूजी भेंडे, विवेक बिपिंदादा कोल्हे और प्रमोद शांताराम जठार को उम्मीदवार बनाया। उपचुनाव के लिए प्रज्ञा राजीव सातव को मैदान में उतारा गया है। सभी छह उम्मीदवारों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

शिवसेना में शामिल होते ही बच्चू कडू ने भरी हुंकार

अपनी राजनीतिक विचारधारा पर बात करते हुए कडू ने कहा कि वे किसी एक सीमित दायरे में काम नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भगवान राम, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों के दिखाए रास्ते पर चलकर ही महाराष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव है।

सूपड़ा साफ करवा रही कांग्रेस!

अंबादास दानवे की उम्मीदवारी का समर्थन करने के कांग्रेस के निर्णय ने पार्टी के भीतर असंतोष की लहर पैदा कर दी है। कार्यकर्ता इसे आत्मघाती कदम बता रहे हैं।

कर्जतकर भाजपा के अनुभवी सदस्य

कर्जतकर भाजपा के एक अनुभवी सदस्य हैं जो कभी पार्टी के दिग्गज नेता प्रमोद महाजन के करीबी थे। वह पहले पार्टी के लिए चुनाव रणनीतिकार के रूप में काम कर चुके हैं। विवेक कोल्हे भाजपा की पूर्व विधायक स्नेहलता कोल्हे के बेटे हैं। संजय भेंडे 2024 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के लोकसभा चुनाव के प्रभारी थे और नागपुर शहरी सहकारी बैंक के अध्यक्ष हैं। भाजपा की राज्य इकाई की महासचिव माधवी नाईक ठाणे निवासी हैं। प्रमोद जठार सिंधुदुर्ग जिले से भाजपा के पूर्व विधायक हैं।

नौ सदस्यों का कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो जाएगा

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत राज्य विधान परिषद के नौ सदस्यों का कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस की पूर्व सदस्य प्रज्ञा सातव के इस्तीफे से खाली हुई सीट के लिए अलग से उपचुनाव कराया जाएगा। इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हुईं सातव का कार्यकाल मूल रूप से 27 जुलाई, 2030 को समाप्त होना था। नामांकन पत्रों की जांच दो मई को होगी जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि चार मई है।

कडू को उम्मीदवार बनाकर शिंदे ने खेला बड़ा दांव

प्रहार संगठन के संस्थापक-अध्यक्ष बच्चू कडू गुरुवार को भगवा झंडा लहराते हुए औपचारिक रूप से शिवसेना में शामिल हो गए। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे पार्टी का गमछा पहनाकर बच्चू कडू का स्वागत किया और उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कि बच्चू कडू ने जन आंदोलनों के माध्यम से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने गरीबों, शोषितों और पीड़ितों की मांगों के लिए लगातार सड़कों पर उतरकर अपने लिए एक अलग छाप छोड़ी है। किसानों के कर्ज माफी के लिए विरोध मार्च का नेतृत्व किया है और दिव्यांगों की ओर से आंदोलनों की अगुवाई की है।

भाजपा ने कडू के बदलते रुख को लेकर निशाना साधा

भाजपा ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश बाबाराव कडू उर्फ बच्चू कडू के शिवसेना में शामिल होने के बाद गुरुवार को उनका राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में स्वागत किया। लेकिन उसने पूर्व में बार-बार निष्ठा में बदलने को लेकर उनपर निशाना भी साधा। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता शिवराय कुलकर्णी ने बच्चू कडू के अतीत के आंदोलनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपने राजनीतिक दांव-पेचों को साधने के लिए अलग-अलग मौकों पर किसानों, कृषि मजदूरों और दिव्यांगों के मुद्दों का इस्तेमाल किया।

महाराष्ट्र में डिजिटल जनगणना

आज से शुरू होगी स्व-गणना

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

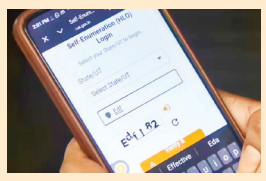

महाराष्ट्र में जनगणना के तहत स्व-गणना चरण एक मई से शुरू होगा और यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना की शुरूआत होगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र की मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी और जनगणना कार्य निदेशक निरुपमा डांगे ने कहा कि यह कवायद एक व्यापक डिजिटल शासन प्रणाली की ओर बदलाव का हिस्सा है, जिसमें वास्तविक समय में डेटा संग्रहण और बेहतर सटीकता सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल ऐप और एक ऑनलाइन पोर्टल की मदद ली जा रही है।

केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें

अधिकारियों ने इस कवायद की शुरुआत होने की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा कि स्व-गणना के इच्छुक नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें और ऐसे किसी भी एसएमएस का जवाब देने से बचें जिसमें आरजीआईसीईएन लिखा न हो।

15 मई तक चलेगी स्व-गणना प्रक्रिया

स्व-गणना प्रक्रिया एक मई से 15 मई तक चलेगी, जिसके बाद 16 मई से 14 जून तक घरों की सूची तैयार की जाएगी और आवास गणना की जाएगी। उस दौरान गणनाकर्ता प्रतिदन सुबह और शाम में आठ से दस घरों में जाएंगे तथा जरूरी आंकड़े एकत्र करेंगे।

2.64 लाख कर्मियों को प्रशिक्षण के बाद तैनात किया जाएगा

अधिकारियों ने बताया कि नागरिकों के ऑनलाइन माध्यम से जानकारी उपलब्ध करा देने के बाद 'एच' अक्षर से शुरू होने वाला 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या उत्पन्न होगी, जिसे उन्हें सुरक्षित रखना होगा और जब गणनाकर्ता उनके घर पर जाएंगे तो उन्हें उनके साथ यह विशिष्ट पहचान संख्या साझा करनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 2.64 लाख कर्मियों को प्रशिक्षण के बाद तैनात किया जायेगा, जबकि जनगणना निगरानी और प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का उपयोग बड़े पैमाने पर पर्यवेक्षण और डेटा प्रबंधन के लिए किया जाएगा।

सलीम डोला को आठ मई तक एनसीबी हिरासत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर और माफिया डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी मोहम्मद सलीम डोला को यहां की अदालत ने 2023 मादक पदार्थ जब्ती मामले में गुरुवार को आठ मई तक स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में भेज दिया। डोला (59) को भारत के अनुरोध पर मार्च 2024 में जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर तुर्किए से गिरफ्तार किया गया था। वह भारत में कई मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में वांछित था और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए फरार था। डोला को मंगलवार को दिल्ली लाया गया था। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने उसे मुंबई ले जाने के लिए एनसीबी को दो दिन की उसकी ट्रांजिट रिमांड दी थी। एनसीबी की एक टीम ने गुरुवार को उसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड) के एस जनवार के समक्ष पेश किया। जांच एजेंसी ने मामले की विस्तृत जांच का हवाला देते हुए अदालत से डोला को 10 दिन उसकी हिरासत में देने का अनुरोध किया। अदालत ने डोला को आठ मई तक एनसीबी की हिरासत में भेजने की मंजूरी दी।

मुस्लिम आरक्षण हमने नहीं छीना...

कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की दलील, मुस्लिम आरक्षण अध्यादेश 2014 में समाप्त हो गया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय को बताया है कि मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने वाला 2014 का अध्यादेश उसी वर्ष समाप्त हो गया था, और इसलिए इस वर्ष फरवरी में जारी किए गए सरकारी आदेश ने समुदाय के लिए किसी भी कोटे को समाप्त नहीं किया है। राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह अधिवक्ता सैयद एजाज नकवी द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में अपना हलफनामा प्रस्तुत किया। याचिका में 17 फरवरी के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें कथित तौर पर सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मुस्लिम समुदाय के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण को रद्द कर दिया गया था।

4 मई को याचिका पर सुनवाई की संभावना

न्यायमूर्ति आर आई छागला और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ द्वारा 4 मई को याचिका पर सुनवाई किए जाने की संभावना है। नकवी ने सरकार के इस फैसले को नस्ली भेदभाव करार दिया था और दावा किया था कि यह संविधान का उल्लंघन है तथा मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ है।

केवल धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रावधान नहीं

सरकार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने हेतु जुलाई 2014 में पारित अध्यादेश उसी वर्ष दिसंबर में समाप्त हो गया और उसके बाद किसी भी वैध कानून द्वारा इसे प्रतिस्थापित नहीं किया गया। इसने अपने हलफनामे में कहा, भारत का संविधान केवल धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रावधान नहीं करता है, इसलिए याचिका में मांगी गई राहत पर विचार नहीं किया जा सकता।

नस्ली भेदभाव के आरोपों का खंडन किया

सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा दायर हलफनामे में राज्य सरकार के खिलाफ याचिका में लगाए गए नस्ली भेदभाव के आरोपों का खंडन किया गया। सरकार के हलफनामे में कहा गया, कोई भेदभाव नहीं किया गया, न ही संविधान के किसी प्रावधान या किसी अन्य कानून का उल्लंघन किया गया है, क्योंकि सांविधिक समर्थन के बिना कोई आरक्षण जारी नहीं रह सकता। इसमें कहा गया कि याचिका भ्रामक है, इसमें कोई दम नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए क्योंकि यह तथ्यों की गलत धारणाओं पर आधारित है तथा 2014 का अध्यादेश समाप्त हो चुका है।

बैलेट बॉक्स को लेकर कोलकाता में बवाल

स्ट्रांग रूम के बाहर पहुंची सीएम ममता, धरने पर बैठे टीएमसी कार्यकर्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के मतदान संपन्न हो चुके है। मतदान होने के बाद अब सभी को 4 मई का इंतजार है जब मतगणना की जाएगी। हालांकि इससे पहले ही कोलकाता में हंगामा हो गया है। टीएमसी नेता शशि पांजा और कुणाल घोष, नेताजी इनडोर स्टेडियम के बाहर, स्ट्रांग रूम के सामने धरने पर बैठ गए हैं। इस बवाल के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी भी स्ट्रांग रूम के बाहर पहुंच गई है। टीएमसी के नेताओं ने यहां हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया है। टीएमसी नेता शशि पांजा और कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि बीजेपी और चुनाव आयोग के अधिकारी, संबंधित पार्टी प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बिना ही बक्से खोलने की कोशिश कर रहे हैं।

कुणाल घोष ने लगाए आरोप

कुणाल घोष ने आरोप लगाया, आप चुनाव आयोग की लाइव स्ट्रीमिंग और सीसीटीवी कैमरों में देख सकते हैं कि कुछ लोग अंदर काम कर रहे हैं। हमारा कोई भी प्रतिनिधि अंदर नहीं है। वे हमें अंदर नहीं जाने दे रहे हैं। वे हमसे कह रहे हैं कि हम दूसरे उम्मीदवारों से बात करें। हम दूसरे उम्मीदवारों की जिम्मेदारी क्यों लें?

शशि पांजा ने लगाए गड़बड़ी के आरोप

शशि पांजा ने भी चिंता जताते हुए कहा कि, हमें चिंता है कि किसी भी तरह की हेराफेरी नहीं होनी चाहिए। हमें यह सब क्यों नहीं दिखाया जा रहा है? टीएमसी नेता शशि पांजा ने कहा स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर कौन लोग हैं? कोई भी स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर नहीं जा सकता। हमें इस बारे में जानकारी होनी चाहिए कि स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर क्या हो रहा है। उन्होंने सिस्टम गड़बड़ होने की आशंका जताते हुए कहा कि सिस्टम में कमियां हैं और कुछ तो गड़बड़ चल रहा है।

हिंदमाता एंकरः एफईओ कानून के तहत इकबाल मिर्ची पर ईडी का शिकंजा और कसा, अतिरिक्त संपत्तियां अटैच करने को कोर्ट की मिली मंजूरी

डी कंपनी पर ईडी का बड़ा एक्शन, मुंबई और दुबई में गैंगस्टर इकबाल मिर्ची की संपत्तियां होंगी जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मुंबई की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मृतक अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची और उसके परिवार से जुड़ी अतिरिक्त संपत्तियों को फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफिंडर्स (एफईओ) एक्ट, 2018 के तहत अटैच करने की अनुमति दे दी। बुधवार को पारित आदेश में अदालत ने ईडी को एफईओ एक्ट की धारा 5(1) के तहत एग्जिबिट 'सी' में वर्णित संपत्तियों को अटैच करने की अनुमति दी। साथ ही, चल रही जांच के दौरान पहचानी गई अन्य संपत्तियों को शामिल करने के लिए धारा 13 के तहत पूरक आवेदन दाखिल करने की भी इजाजत दी।

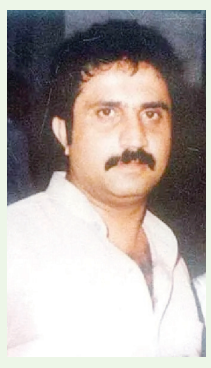

दुबई में स्थित विदेशी संपत्तियां भी शामिल

यह आवेदन ईडी के मुंबई जोनल ऑफिस-कद्वारा दायर किया गया था, जिसमें कहा गया कि ये संपत्तियां आगे की जांच के दौरान सामने आईं और पहले से ही पीएमएलए के तहत चल रही अटैचमेंट कार्यवाही का हिस्सा हैं। इन संपत्तियों में वरली, मुंबई स्थित करीब 4,970.41 वर्ग मीटर में फैले तीन प्रमुख भूखंड, राबिया मेंशन, मरियम लॉज शामिल हैं। इसके अलावा दुबई में स्थित विदेशी संपत्तियां, जैसे होटल मिडवेस्ट अपार्टमेंट और कॉरपोरेट बे व डीईसी टावर्स में 14 रियल एस्टेट यूनिट्स भी शामिल हैं।

अपराध की आय से खरीदी गईं थी संपत्तियां

ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां इकबाल मेमन द्वारा अर्जित अपराध की आय से खरीदी गई थीं। इन्हें प्रॉक्सी के जरिए रखा गया था। इसमें सर मोहम्मद यूसुफ ट्रस्ट और परिवार के सदस्य, आसिफ इकबाल मेमन, जुनैद इकबाल मेमन और हाजरा इकबाल मेमन शामिल हैं। एजेंसी ने अदालत को बताया कि आरोपियों को फरवरी 2021 में इसी अदालत द्वारा पहले ही फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर घोषित किया जा चुका है और उनकी भारत व विदेश स्थित संपत्तियों को जब्त करने के निर्देश दिए गए थे।

154 करोड़ रुपए से अधिक की रकम विदेश भी भेजी गई

ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया कि इकबाल मिर्ची ने 1986 में अपनी फर्म मेसर्स रॉकसाइड इंटरप्राइजेस के जरिए वरली की ये संपत्तियां 6.5 लाख रुपए में खरीदी थीं और बाद में ट्रस्ट व डमी किराएदारों के जरिए वास्तविक स्वामित्व छिपाया गया। आगे यह भी आरोप लगाया गया कि वाधवान बंधुओं द्वारा वरली की संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए 154 करोड़ रुपए से अधिक की रकम विदेश भेजी गई थी, और दुबई की अन्य संपत्तियां भी इसी वित्तीय लेन-देन का हिस्सा थीं।

पहले भी संपत्तियों को किया जा चुका अटैच

अदालत ने नोट किया कि इन संपत्तियों को पहले ही 2019 और 2020 में पीएमएलए के तहत अस्थायी रूप से अटैच किया जा चुका था, जिसे बाद में एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने पुष्टि भी दी थी। अदालत ने माना कि यह विश्वास करने के मजबूत कारण हैं कि ये संपत्तियां अपराध से अर्जित आय या बेनामी संपत्तियां हैं, जो पहले से घोषित फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स के स्वामित्व में हैं। आखिकार अदालत ने आवेदन स्वीकार करते हुए कहा कि ईडी को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए एफईओ एक्ट की धारा 5(1) के तहत इन संपत्तियों को अटैच करने की अनुमति दी जाती है।

चचेरी बहन के यौन उत्पीड़न का आरोपी आरोपों से बरी

यौन उत्पीड़न मामले में कोर्ट का फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले की एक अदालत ने नाबालिग चचेरी बहन का यौन उत्पीड़न करने और उसे धमकी देने के आरोपी 23 वर्षीय युवक को सभी आरोपों से बरी कर दिया है, क्योंकि पीड़िता और अभियोजन पक्ष की प्रमुख गवाह ने पुलिस की ओर से दर्ज मामले का समर्थन नहीं किया। यह आदेश 27 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश प्रेमल एस विठलानी ने दिया, जो यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई कर रहे हैं। यह आदेश बृहस्पतिवार को उपलब्ध कराया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि 18 नवंबर, 2018 को, आरोपी अपनी चचेरी बहन (14) को एक ऑटो-रिक्शा में ले गया, उसके साथ यौन दुर्व्यवहार किया और धमकी दी कि यदि उसने उससे शादी करने से इनकार किया तो वह उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर देगा। मुकदमे की सुनवाई के दौरान पीड़िता और उसके परिवार के सदस्य अपने बयान से मुकर गये।

साक्ष्य कमजोर पड़े

अदालत ने कहा कि हालांकि अभियोजन पक्ष ने स्कूल रिकॉर्ड और जन्म प्रमाण पत्रों के माध्यम से यह सफलतापूर्वक साबित कर दिया कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी, लेकिन वह कथित अपराध के 'बुनियादी तथ्यों' को साबित करने में विफल रहा। फैसले में अदालत ने कहा कि मुख्य गवाह अर्थात पीड़िता, उसके चचेरे भाई और उसकी दादी ने घटना के बारे में कुछ भी नहीं कहा है। इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित करने में सफल रहा है।

पीड़िता का बयान

पीड़िता के बयान का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि पीड़िता ने भी अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन नहीं किया है। उसने घटना से साफ इनकार किया है। उसने इस बात से इनकार किया है कि घटना वाले दिन आरोपी उसे ऑटो-रिक्शा में ले गया, उसके छाती पर हाथ फेरा, उसे गालियां दीं और धमकी दी।

दादी की गवाही

अदालत ने कहा कि पीड़िता की दादी ने ही घटना की सूचना दी थी लेकिन जिरह के दौरान उन्होंने माना कि वह अनपढ़ हैं और उन्होंने सुनी-सुनाई बातों के आधार पर शिकायत दर्ज कराई थी। अदालत ने कहा कि बाद में पीड़िता की दादी ने यहां तक कहा कि आरोपी घटना वाले दिन उनके घर आया ही नहीं था।

अंतिम निर्णय

आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 354-ए (1)(आई) (यौन उत्पीड़न), 504 और 506-दो (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि उपरोक्त बातों के मद्देनजर, आरोपी को बरी किया जाना आवश्यक है।

नवी मुंबई में काला जादू के नाम पर लूट

● उज्जैन के फर्जी बाबाओं ने महिला से ठगे 1.9 लाख, ऐसे आए पुलिस के हत्थे

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

नवी मुंबई से अंधविश्वास और धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के दिवाले गांव में रहने वाली एक 27 वर्षीय महिला को अपने जाल में फंसाकर दो स्वयंभू बाबाओं ने करीब 1.9 लाख रुपए की ठगी की। नवी मुंबई पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को नाशिक जिले के घोटी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है।

परेशानियों को दूर करने का दिया था झांसा

नवी मुंबई पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन भरत चव्हाण उर्फ तंतन बाबा (21) और सागर शिवाजी शिंदे उर्फ एकलहरी बाबा (24) के रूप में हुई है। इन आरोपियों ने खुद को मध्य प्रदेश के उज्जैन का निवासी बताया था। उन्होंने महिला को विश्वास दिलाया कि वह गंभीर जीवन संकटों से घिरी हुई है और यदि समय रहते विशेष अघोरी पूजा और अनुष्ठान नहीं किए गए, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सितंबर से दिसंबर के बीच हुई लूट

पुलिस उपायुक्त (जोन-2, बेलापुर) अमित काले ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह धोखाधड़ी सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच हुई। आरोपियों ने डरा-धमकाकर और तंत्र-मंत्र का लालच देकर महिला से 1.47 लाख रुपए नकद ऐंठे और 43,000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। जब महिला को अपनी गलती का एहसास हुआ और कोई सुधार नहीं दिखा, तब उसने पुलिस की शरण ली।

नाशिक से हुई गिरफ्तारी

महिला की शिकायत पर 24 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपियों का पीछा किया और उन्हें नाशिक के घोटी से धर दबोचा। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) (धोखाधड़ी), 3 (5) (साझा मंशा) के साथ-साथ महाराष्ट्र मानव बलिदान और अन्य अमानवीय, बुराई और अघोरी प्रथा व काला जादू रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम के तहत कड़े प्रावधानों में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन फर्जी बाबाओं ने शहर में किसी और को भी अपना शिकार बनाया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे अंधविश्वासों और चमत्कारी दावों के झांसे में न आएं।

आयशर ट्रक चोरी का पर्दाफाश

दो आरोपी गिरफ्तार, 12 लाख का ट्रक बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

पेल्हार पुलिस की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने आयशर ट्रक चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी गया करीब 12 लाख रुपए कीमत का ट्रक भी बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 की रात 11 बजे से 24 अप्रैल की सुबह 7:30 बजे के बीच वसई फाटा, वसई पूर्व स्थित एन.बी.आर.एल होटल के सामने मुंबई वाहिनी के सर्विस रोड किनारे खड़ा आयशर प्रो 1110 एचएच एसडी कंपनी का ट्रक (एमएच 48 बीएम 0228) अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। इस संबंध में ट्रक मालिक संतलाल राजाराम वर्मा (निवासी मिल्लत नगर, वसई फाटा) की शिकायत पर 24 अप्रैल को पेल्हार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

मामले की जांच के दौरान अपराध प्रकटीकरण पथक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी व गुप्त जानकारी के आधार पर आरोपियों का पता लगाया। पुलिस ने धुले जिले के मिल्लत नगर क्षेत्र से दो आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमसुद्दीन मोहम्मद शफी मलिक (44) और शाहीद अहमद हुसैन मलिक (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया आयशर ट्रक बरामद कर लिया, जिसकी कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे और सहायक पुलिस आयुक्त बजरंग देसाई के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबळे, पुलिस निरीक्षक (अपराध) सागर इंगोले तथा उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई।

700 रुपए विवाद में हत्या

सीसीटीवी और श्वान दल की मदद से आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ टिटवाला

खडवली क्षेत्र में 700 रुपए के मामूली विवाद ने एक युवक की जान ले ली। टिटवाला पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड का पदार्फाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ दिन पहले खडवली नदी किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जांच की दिशा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकेश ढगे के मार्गदर्शन में पुलिस ने श्वान दल की मदद ली, जिसने घटनास्थल से खडवली रेलवे स्टेशन तक सुराग दिया। इसके बाद पुलिस ने खडवली से मुंबई तक करीब 300 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली।

विवाद बना कारण

जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी दोनों केटरिंग का काम करते थे और दोस्त थे। घटना के दिन नदी किनारे पार्टी के दौरान 700 रुपए को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पत्थर से कुचलकर दोस्त की हत्या कर दी और फरार हो गया।

आरोपी का रिकॉर्ड

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले से ही मुंबई के एन. एम. जोशी मार्ग पुलिस थाने में मोबाइल चोरी के मामले में वांछित था। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

वरिष्ठ कलाकारों को सहारा

रविंद्र चव्हाण ने की जमीन देने की घोषणा

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली/नवी मुंबई

अभिनय क्षेत्र में लंबे समय तक काम करने के बाद जब कलाकारों की प्रसिद्धि का दौर समाप्त होता है, तो उन्हें अक्सर उपेक्षा और कई तरह की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे वरिष्ठ कलाकारों की मदद के लिए सिने आर्टिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट (सीएडब्ल्यूटी) द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय बताते हुए भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने महत्वपूर्ण घोषणा की है।

■ मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में रविंद्र चव्हाण ने कहा कि वरिष्ठ कलाकारों और सिने क्षेत्र के कामगारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सांस्कृतिक मंत्री आशिष शेलार से चर्चा करेंगे और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीएडब्ल्यूटी के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए वे कोकण के केसरी, सावंतवाड़ी स्थित अपनी एक एकड़ जमीन देने को तैयार हैं।

■ उन्होंने बताया कि दिलीप कुमार, सुनील दत्त, मिथुन चक्रवर्ती, जॉनी लिवर और आशा पारेख जैसे दिग्गज कलाकारों ने मिलकर इस ट्रस्ट की स्थापना की, ताकि जरूरतमंद कलाकारों को सहारा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान इन महान कलाकारों के सम्मान में उनके फोटो और जानकारी वाले फलक का उद्घाटन भी किया गया।

■ रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आज करीब 9 से 10 हजार वरिष्ठ कलाकार और सिने क्षेत्र के कई कामगार विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस अवसर पर सीएडब्ल्यूटी की अध्यक्षा प्रीति सप्रू, संभावना सेठ, दीपक पराशर, राजपाल यादव, मनोज जोशी, मुकेश ऋषि, अयूब खान, कुनिका सहित कई कलाकार उपस्थित रहे।

सेंच्युरी रेयान को 35 करोड़ की नोटिस

मनपा के टैक्स आकलन पर विवाद, कंपनी पहुंची उच्च न्यायालय

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा ने ग्रासिम इंडस्ट्रीज के अंतर्गत आने वाली सेंच्युरी रेयान कंपनी को 35 करोड़ रुपए बकाया हाउस टैक्स की नोटिस जारी की है। यह कार्रवाई टैक्स आकलन में अनियमितता पाए जाने के बाद की गई। भाजपा गट नेता राजेश बदरिया की आपत्ति के बाद आयुक्त मनीषा अव्हाले ने सात सदस्यीय जांच समिति गठित की थी, जिसने जांच में खामी की पुष्टि की। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर मनपा के टैक्स विभाग ने कंपनी को बकाया राशि जल्द जमा करने के निर्देश दिए हैं और भुगतान न होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। साथ ही आयुक्त ने मामले में संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वहीं, सेंच्युरी रेयान कंपनी ने इस नोटिस को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। मनपा के अधिकारी विनोद केने ने बताया कि मामला न्यायालय में लंबित होने के कारण फिलहाल आगे की कार्रवाई स्थगित है। कंपनी के अधिकारी श्रीकांत गोरे का कहना है कि कंपनी समय पर टैक्स भरती रही है और नोटिस के खिलाफ कोर्ट का रुख किया गया है।

करोड़ों की शवदाह मशीनें बंद

उद्घाटन के इंतजार में जंग खा रहीं सुविधाएं

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शहर की श्मशान भूमियों में आज भी लकड़ी से अंतिम संस्कार की परंपरा जारी है, जिससे एक ओर पेड़ों की कटाई हो रही है तो दूसरी ओर धुएं से पर्यावरण पर असर पड़ रहा है। इस स्थिति को सुधारने के लिए पर्यावरण विभाग की ओर से करोड़ों रुपए खर्च कर डीजल और गैस आधारित शवदाह मशीनें लगाई गईं, लेकिन ये सालों से बंद पड़ी हैं, जिस पर नागरिक सवाल उठा रहे हैं।

प्रदूषण बढ़ने की चिंता

उल्हासनगर में चार श्मशान भूमि हैं, जहां अंतिम संस्कार होता है। लकड़ी के अलावा अन्य विकल्प उपलब्ध न होने के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। विशेष रूप से मध्यवर्ती अस्पताल के कारण लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी लकड़ी से ही किया जाता है, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है।

मशीनें बनी शोपीस

कैंप-3 के शांति नगर और कैंप-5 के कैलाश कॉलोनी स्थित श्मशान में डीजल और गैस शवदाह मशीनें लगाई गईं, जिन पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च हुए। बावजूद इसके, इनका न तो उद्घाटन हुआ और न ही उपयोग शुरू किया गया, जिससे मशीनें जंग खा रही हैं।

प्रशासनिक अड़चन

सार्वजनिक विभाग के अनुसार मशीनें एक वर्ष पहले स्वास्थ्य विभाग को सौंपी जा चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने संचालन, मरम्मत और ईंधन खर्च को लेकर प्रस्ताव भी भेजा, लेकिन लकड़ी की तुलना में अधिक खर्च होने के कारण लेखा विभाग ने आपत्ति जताई। फिलहाल, प्रशासन की निष्क्रियता के कारण यह परियोजना ठप पड़ी है।

एलटीटी-मडगांव स्पेशल ट्रेन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

यात्रियों की मांग पर मध्य रेल चलाएगा दो अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्य रेल ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और मडगांव के बीच दो अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष सेवाओं का उद्देश्य छुट्टियों के मौसम में यात्रियों को राहत देना है। मध्य रेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 01003 ग्रीष्मकालीन विशेष 4 मई 2026 (सोमवार) को सुबह 08:20 बजे एलटीटी से रवाना होगी और उसी दिन रात 22:40 बजे मडगांव पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 01004 विशेष 3 मई 2026 (रविवार) को शाम 16:30 बजे मडगांव से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 06:20 बजे एलटीटी पहुंचेगी। ये ट्रेनें ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलुन, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली स्टेशनों पर ठहरेंगी। ट्रेनों में 1 एसी 3-टियर, 11 शयनयान, 7 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सेकंड सीटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन की व्यवस्था होगी। ट्रेन संख्या 01003 के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण 2 मई 2026 से सभी कंप्यूटरीकृत केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगा, जबकि अनारक्षित कोच के लिए यूटीएस प्रणाली से टिकट लिया जा सकेगा। यात्रियों को विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या एनटीईएस ऐप का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

12 साल बाद हत्या का हुआ खुलासा

हत्या कर जंगल में फेंका था शव, तीन आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

करीब 12 वर्ष पुराने अपहरण और हत्या के मामले का कल्याण क्राइम ब्रांच यूनिट-03 ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में सुरेंद्र पांडुरंग पाटील (55), चंद्रकांत बालाराम गायकर और सुरेश गोपाल देगावत उर्फ छोटू (32) को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव ने दी। डोंबिवली पूर्व के दावडी निवासी 23 वर्षीय करण अरविंद बागुल के वर्ष 2014 में अपहरण का मामला मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में खुलासा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजित शिंदे की टीम ने सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागडे के मार्गदर्शन में आरोपी से पूछताछ की, जिसमें उसने साथियों के साथ मिलकर हत्या करने की बात कबूल की। जांच में सामने आया कि जमीन के सात एकड़ सौदे में पैसों के विवाद को लेकर सुरेंद्र पाटील और करण बागुल के बीच तनाव था। 4 अक्टूबर 2014 को करण का अपहरण कर दावडी स्थित कार्यालय में लोहे की रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई।

शव ठिकाने लगाया

हत्या के बाद आरोपियों ने शव को कार में डालकर मुरबाड के बारवी डैम के जंगल में फेंक दिया। मुरबाड पुलिस की पुरानी नोंदों से शव की पहचान की पुष्टि हुई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 2 मई 2026 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार भी जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

रिश्वत लेते लिपिक गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के सामान्य प्रशासन विभाग में कार्यरत लिपिक भारत पाटोळे को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साई इंग्लिश स्कूल को अग्निशमन विभाग का ना हरकत प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने के बदले यह रकम मांगी थी। स्कूल प्रबंधन ने इस संबंध में एसीबी से शिकायत की, जिसके बाद विभाग ने जाल बिछाया। तय योजना के तहत खडकपाड़ा क्षेत्र में आरोपी को बुलाया गया, जहां वह स्कूल प्रतिनिधि से रिश्वत की राशि स्वीकार कर रहा था। इसी दौरान एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। केडीएमसी में भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठते रहे हैं। अब तक महापालिका के 46 अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े जा चुके हैं। गिरफ्तारी के बाद निलंबन की कार्रवाई तो होती है, लेकिन बाद में कई कर्मचारी पुनः सेवा में लौट आते हैं, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है।

हिंदमाता एंकर: रेडिसन-विहंग ग्रुप का बड़ा निवेश

ठाणे और मीरा-भायंदर में बनेंगे फाइव स्टार होटल

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

इंटरनेशनल होटल चेन रेडिसन होटल ग्रुप और विहंग ग्रुप ने साथ मिलकर एमएमआर के ठाणे व मीरा भायंदर में फाइव स्टार होटल बनाने का निर्णय लिया है। व्यावसायिक रूप से तेजी से बढ़ते ठाणे और मीरा-भायंदर में दो नए होटल प्रोजेक्ट्स शुरू करने की घोषणा की गई है। ये प्रोजेक्ट्स विहंग ग्रुप और विहंग अहेड की भागीदारी में बनाए जाएंगे।

पहला फाइव स्टार होटल

खास बात यह है कि यह मीरा-भायंदर में बनने वाला पहला फाइव-स्टार होटल होगा। इससे रेडिसन की मुंबई के पारंपरिक कमर्शियल हब के बाहर उभरते इलाकों में अपने होटल बिजनेस को बढ़ाने की स्ट्रैटेजी को बढ़ावा मिलेगा। विहंग ग्रुप के फाउंडर, प्रताप सरनाइक ने भी इस पार्टनरशिप को 'मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के डेवलपमेंट में एक अहम 'मील का पत्थर' बताया। रेडिसन होटल ग्रुप के साउथ एशिया के एमडी निखिल शर्मा ने कहा, 'मेट्रोपॉलिटन इंडिया में उभरते बिजनेस एरिया में विस्तार करना हमारे लिए एक खास स्ट्रेटेजी है। इन प्रोजेक्ट्स के साथ, हम भविष्य में बढ़ती डिमांड को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।' रेडिसन व विहंग ग्रुप के बीच हुए इस करार के अवसर पर विहंग ग्रुप की डायरेक्टर परिषा सरनाईक, पूर्वेश सरनाईक, विहंग सरनाईक सहित कंपनी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नए कमर्शियल कॉरिडोर

एमएमआर के ठाणे और मीरा-भायंदर तेजी से डेवलप हो रहे इलाके हैं। आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में ग्रोथ और बढ़ती कमर्शियल डिमांड ने यहां होटल बिजनेस के लिए बड़ा मौका बनाया है। मीरा-भायंदर में मेट्रो लाइन 9 और बेहतर रोड कनेक्टिविटी की वजह से यह इलाका तेजी से डेवलप हो रहा है। साथ ही, नेशनल हाईवे 48 और एयरपोर्ट से आसान कनेक्टिविटी हो गई है।

देश में 200 से ज्यादा होटेल

रेडिसन होटल ग्रुप के भारत में 200 से ज्यादा होटल चल रहे हैं या बन रहे हैं। कंपनी अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में विस्तार कर रही है। ठाणे व मीरा भायंदर के दोनों प्रोजेक्ट्स में प्रीमियम सुविधाओं वाले 217 कमरे होंगे। ठाणे में बनने वाले होटल में 114 कमरे होंगे, जबकि मीरा-भायंदर के होटल में 103 कमरे होंगे। दोनों होटलों में रेस्टोरेंट, बार, बैंक्वेट हॉल, मीटिंग स्पेस, जिम और स्विमिंग पूल जैसी मॉडर्न सुविधाएं होंगी। इससे कॉर्पोरेट (मीटिंग, इंसेंटिव, कॉन्फ्रेंस, एग्जीबिशन) के साथ-साथ टूरिस्ट क्लास की प्रीमियम सर्विस मिलेगी।

शॉर्ट स्टोरी

रूमैटोलॉजी जागरूकता के लिए पदयात्रा

हिंदमाता संवाददाता @ वाशी

इंडियन रूमैटोलॉजी एसोसिएशन के देशव्यापी अभियान के तहत रूमैटोलॉजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पदयात्रा का आयोजन नई मुंबई वाशी सेक्टर में 26 अप्रैल को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। जिसका शहर स्तर पर नेतृत्व डॉ.अतुल गट्टाणी (नवी मुंबई आर्थराइटिस एंड रूमैटिज्म क्लिनिक) ने किया। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य रूमैटिक बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना था, जो अक्सर पहचान में नहीं आती हैं। इस पहल में डॉक्टर, मरीज, उनके परिवारजन और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए और शीघ्र निदान व उचित उपचार का संदेश दिया। डॉ.अतुल गट्टाणी ने कहा कि सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना रूमैटिक रोगों से पीड़ित मरीजों के बेहतर परिणामों के लिए अत्यंत आवश्यक है। समय पर पहचान और सही उपचार से जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हो सकता है। इस वॉकाथॉन में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।यह पहल समाज के सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दशार्ती है।

विकास परियोजनाओं को रफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को अब गति मिलने की संभावना है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने भाजपा विधायक राजन नाईक की मांग पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में परियोजनाओं को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। एमएमआरडीए मुख्यालय में हुई बैठक में क्षेत्र के कई अहम प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। विधायक नाईक ने कहा कि 1988 से एमएमआरडीए क्षेत्र में शामिल होने के बावजूद अपेक्षित विकास नहीं हुआ, जिसे अब तेजी से पूरा किया जाना जरूरी है। उन्होंने अलकापुरी और ओसवाल नगरी के फ्लाईओवर, विराटनगर-उमेलमान के रेलवे पुल, अहमदाबाद हाईवे से पेल्हार-नालासोपारा और विरार फाटा से विरार शहर तक कंक्रीट सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता देने की मांग रखी। इसके अलावा, सोपारा-वसई सन सिटी मार्ग, नारंगी फ्लाईओवर से आगाशी तक सड़क निर्माण और उत्तन-विरार कोस्टल रोड को वसई कनेक्टर फेज-2 से जोड़ने का प्रस्ताव भी रखा गया। आयुक्त ने निरीक्षण के बाद निर्णय लेने का भरोसा दिया।

मलेरिया मुक्त भिवंडी अभियान

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका ने 'मलेरिया मुक्त भिवंडी' संकल्प के साथ शहर में जनजागरण अभियान चलाया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता बाइक रैली निकाली गई, जिसमें अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली महानगरपालिका मुख्यालय से शुरू होकर भिवंडी बस स्थानक, मेट्रो होटल होते हुए वंजारपट्टी नाका तक पहुंची। इस दौरान 'मलेरिया उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध' जैसे नारों से नागरिकों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सप्ताह में एक दिन 'ड्राई डे' मनाने, मच्छरदानी उपयोग करने और घरों के आसपास पानी जमा न होने देने की अपील की। मनपा प्रशासन ने कहा कि फ्रिज, एसी, गमलों व अन्य स्थानों पर जमा पानी नियमित रूप से खाली करें और जलभराव रोकें। अधिकारियों ने बताया कि मलेरिया पर नियंत्रण जनभागीदारी और स्वच्छता से ही संभव है, इसलिए नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की गई।

उर्दू अकैडमी चेयरमैन का स्वागत

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर के रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकैडमी के चेयरमैन सैयद हसीन अख्तर का बुधवार को स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी ने शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथि का सम्मान किया। इस अवसर पर के.एम.ई. सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, नूह खलील पटेल, सैयद शोएब हाशमी, इरफान बर्डी, एम. मुबीन, साजिद सिद्दीकी, अब्दुल अजीज अंसारी और सादिक अंसारी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। बताया गया कि सैयद हसीन अख्तर और सैयद शोएब हाशमी अकैडमी की ओर से प्रस्तावित ड्रामा फेस्टिवल के आयोजन को लेकर विचार-विमर्श के लिए भिवंडी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्कूलों के प्रमुखों और शिक्षकों से मुलाकात कर कार्यक्रम के आयोजन और उसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

पीआरएस सेवा कुछ घंटे बंद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल के अनुसार पीएनआर कम्प्रेशन कार्य के चलते मुंबई पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) 1 मई 2026 की रात 11:45 बजे से 2 मई की सुबह 4:15 बजे तक बंद रहेगा। इस दौरान सिस्टम में आवश्यक तकनीकी कार्य किया जाएगा। इस अवधि में पीआरएस सेवाएं, कोचिंग रिफंड, आईवीआरएस, करंट रिजर्वेशन, चार्ट डिस्प्ले, टच स्क्रीन, रिफंड काउंटर और कोचिंग रिफंड टर्मिनल जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। साथ ही मुंबई पीआरएस ट्रेनों के लिए इंटरनेट बुकिंग सेवा भी बंद रहेगी। रेलवे प्रशासन ने बताया कि लागू नियमों के अनुसार रिफंड के लिए टीडीआर जारी किया जाएगा। यात्रियों और रेल उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि इस आवश्यक रखरखाव कार्य के दौरान सहयोग करें और असुविधा से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें।

जनसंवाद में जमीन मोजणी को रफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई पश्चिम स्थित तहसीलदार कार्यालय में आयोजित 'जनसंवाद' दिवस में जमीन मोजणी से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के निर्देश दिए गए। विधायक स्नेहा दुबे पंडित की पहल पर हुए इस कार्यक्रम में 70-80 नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे रखीं। कार्यक्रम में उप अधीक्षक भूमि अभिलेख अमोल बदडे के साथ प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिन आवेदकों ने शुल्क जमा किया था, उन्हें मौके पर ही मोजणी की तारीखें और नोटिस प्रदान किए गए। समीक्षा में सामने आया कि कुल 475 मामले लंबित हैं। इनमें से 228 मामलों को मई अंत तक और 151 को 15 जून तक निपटाने का लक्ष्य तय किया गया है, जबकि सभी प्रकरण जुलाई 2026 तक सुलझाने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान तय समयसीमा में होना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी व नागरिक उपस्थित रहे।

राशन कार्यालय स्थानांतरण पर विरोध

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

कैंप-4 और 5 के हजारों राशन कार्ड धारकों के लिए अहम 40-एफ राशन वितरण कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण के खिलाफ शहर में विरोध तेज हो गया है। प्रशासन के इस फैसले से आम नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी होने की आशंका जताई जा रही है। विधायक डॉ. बालाजी किनिकर ने इस निर्णय पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे जनविरोधी बताया और तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को विश्वास में लिए बिना लिया गया यह फैसला उचित नहीं है। विरोध के तहत राशन कार्यालय में ही व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। मुद्दे पर चर्चा के लिए विधायक किनिकर की पहल पर कैंप-5 स्थित कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इसमें कार्यालय को यथास्थान बनाए रखने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में राजेंद्र चौधरी, परशुराम पाटिल, प्रदीप गोडसे, शेखर यादव और मनीषा भानुशाली सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। नागरिकों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि निर्णय वापस न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

मैं कभी नहीं होने दूंगी पवार बनाम पवार की लड़ाई

बारामती के भविष्य पर सुप्रिया सुले का बड़ा बयान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'एबीपी मझा' के 'मझा विजन' कार्यक्रम में सांसद सुप्रिया सुले ने बारामती की राजनीति और पवार परिवार के आंतरिक समीकरणों पर अपनी बेबाक राय रखी। हाल ही में हुए बारामती उपचुनाव और 2029 के विधानसभा चुनावों को लेकर चल रही चर्चाओं ने राज्य का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। विशेष रूप से जय पवार द्वारा 2029 में उम्मीदवारी की इच्छा जताने और रोहित पवार द्वारा युगेंद्र पवार का नाम सामने लाने के बाद 'पवार बनाम पवार' की जंग फिर से शुरू होने के कयास लगाए जा रहे हैं। इन अटकलों का जवाब देते हुए सुप्रिया सुले ने दृढ़ता से कहा, 'मैं कभी भी पवार बनाम पवार का मुकाबला नहीं होने दूंगी'। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अगर भविष्य में ऐसी स्थिति बनती है, तो वे कोई दूसरा बड़ा फैसला ले लेंगी, लेकिन परिवार के बच्चों को एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हुए नहीं देखेंगी। उन्होंने पवार परिवार की जड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपने ही परिवार के सदस्यों के विरुद्ध चुनावी मैदान में उतरने के पक्ष में नहीं हैं।

एनसीपी विलय और अजित पवार का जिक्र

कार्यक्रम के दौरान सुप्रिया सुले से एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय के बारे में भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने टिप्पणी की कि विलय का मुद्दा अजित पवार (दादा) के दिमाग में था। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में विलय की कोई स्थिति नजर नहीं आ रही है।

सुप्रिया सुले ने बताया परिवार का सच

अजित पवार के साथ हुई हालिया दुखद घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने परिवार की भावनाओं को साझा किया और कहा कि उनके पिता (शरद पवार) अपनी भावनाएं बाहर जाहिर नहीं करते, लेकिन परिवार के भीतर वैसी ही संवेदनाएं हैं जैसी किसी भी सामान्य घर में मुखिया के जाने के बाद होती हैं।

2029 का भविष्य और गठबंधन

जब उनसे 2029 के चुनावी समीकरणों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उस समय गठबंधन कैसे बनेंगे और क्या स्थिति होगी, यह अभी कहना मुश्किल है। हालांकि, उनका पूरा जोर इस बात पर रहा कि राजनीति अपनी जगह है और परिवार की एकजुटता अपनी जगह। सुले का यह बयान बारामती की जनता और कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ा संकेत है, जो बार-बार परिवार के सदस्यों के बीच हो रही राजनीतिक लड़ाई से असमंजस में रहते हैं।

नागपुर में 'रेडियोएक्टिव पाउडर' फैलाने की धमकी

●एटीएस ने चलाया जांच अभियान, शहर में मचा हड़कंप

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर में उस पत्र के बाद उच्च सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय और भाजपा कार्यालय सहित कई प्रमुख स्थानों पर रेडियोधर्मी पदार्थ रखे गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह पत्र 27 अप्रैल को पुलिस आयुक्त डॉ. रविंदर सिंघल के कार्यालय में प्राप्त हुआ था। पुलिस ने कई टीम गठित की हैं और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा ऊर्जा विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल किया है। पुलिस ने पत्र में उल्लिखित स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अभी तक रेडियोधर्मी पदार्थ का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस को संदेह है कि पत्र में किया गया दावा फर्जी हो सकता है और इसकी जांच जारी है।

पत्र में गंभीर आरोप

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अंग्रेजी में लिखे गए और कथित तौर पर 'डीएसएस' नामक एक संगठन द्वारा भेजे गए इस पत्र में आपत्तिजनक टिप्पणियां थीं और धमकी दी गई थी कि शहर में कई स्थानों पर अत्यधिक रेडियोधर्मी पदार्थ 'सीजियम-137' को रखा गया है। पत्र में विशेष रूप से आरएसएस मुख्यालय, स्मृति मंदिर (आरएसएस के संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार और संगठन के दूसरे प्रमुख एम.एस. गोलवलकर को समर्पित एक स्मारक) और गणेशपेठ स्थित भाजपा कार्यालय का उल्लेख किया गया था।

मेट्रो और बस सेवाओं का जिक्र

इसमें यह भी कहा गया है कि 'ऑरेंज' और 'एक्वा' लाइन पर चलने वाली मेट्रो ट्रेन और इन इलाकों के पास चलने वाली 'आपली बस' सेवाओं की सीटों के नीचे रेडियोधर्मी पदार्थ रखा गया है। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि यह पदार्थ एक कैंसर अस्पताल से प्राप्त किया गया था और पूरे शहर में विकिरण के खतरे की चेतावनी दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पत्र मिलते ही हमने तुरंत सभी आपातकालीन प्रोटोकॉल सक्रिय किए। कई टीम तैनात की गई हैं और उल्लेखित सभी संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई है।

एजेंसियों की जांच जारी

उन्होंने बताया कि आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस), एनडीआरएफ और परमाणु ऊर्जा विशेषज्ञों ने चिह्नित स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। एटीएस के एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक रेडियोधर्मी पदार्थ का कोई निशान नहीं मिला है। प्रथम दृष्टया यह एक अफवाह प्रतीत होती है, लेकिन हम इसकी पूरी गंभीरता से जांच कर रहे हैं। पत्र मिलने के बाद, एटीएस द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर सदर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

जीशान सिद्दीकी की उम्मीदवारी पर राकांपा में रार

आनंद परांजपे थामेंगे शिवसेना का दामन! मिटकरी भी नाराज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में जीशान सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। इस एक सीट के लिए पार्टी के भीतर 75 से अधिक इच्छुक उम्मीदवार थे, जिनमें कई वरिष्ठ नेता भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि जीशान सिद्दीकी के चयन में वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अहम भूमिका निभाई है, जिससे पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं में असुरक्षा और नाराजगी का भाव पैदा हो गया है। इस फैसले का सबसे मुखर विरोध विधायक अमोल मिटकरी की ओर से देखने को मिला। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिस सीट पर नियुक्ति हुई है, वह उनकी अपनी थी और उन्हें उम्मीद थी कि संसदीय बोर्ड कम से कम चर्चा के लिए उन्हें बुलाएगा। मिटकरी ने जीशान सिद्दीकी को बधाई तो दी, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी के इस तरह के एकतरफा फैसले से उन्हें व्यक्तिगत रूप से बहुत दुख पहुंचा है।

ठाणे में आनंद परांजपे की नाराजगी और अटकलें

ठाणे जिले के प्रमुख नेता और प्रवक्ता आनंद परांजपे के नाम को लेकर राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक चर्चा रही। खबरें आने लगीं कि एमएलसी उम्मीदवारी की रेस से बाहर होने के बाद परांजपे एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं और जल्द ही शिवसेना (शिंदे गुट) का दामन थाम सकते हैं। इस चर्चा को इसलिए भी बल मिला क्योंकि ठाणे मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है और परांजपे वहां पार्टी का एक महत्वपूर्ण चेहरा रहे हैं। **अमोल मिटकरी की आपत्ति:** वर्तमान विधायक होने के बावजूद दूसरा मौका न मिलने और संसदीय बोर्ड द्वारा चर्चा न किए जाने पर मिटकरी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। **आनंद परांजपे और शिवसेना:** ठाणे के नेता आनंद परांजपे के एकनाथ शिंदे के संपर्क में होने और शिवसेना में शामिल होने की खबरें सामने आई थीं। **परांजपे का खंडन:** आनंद परांजपे ने इन खबरों को अफवाह बताया है और पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए स्पष्ट किया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं।

परांजपे ने अफवाहों पर लगाया विराम

इन अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए आनंद परांजपे ने स्पष्ट किया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं और पार्टी में ही बने रहेंगे। उन्होंने शिंदे से अपनी मुलाकातों को 'महायुति' के नेताओं के बीच की सामान्य मुलाकात बताया। परांजपे ने कहा, 'यह महज एक अफवाह है कि मैं शिंदे सेना में शामिल होने वाला हूं। मैं पार्टी के साथ खड़ा रहूंगा'। हालांकि, उनके इस खंडन के बावजूद ठाणे की राजनीति में उनकी भविष्य की भूमिका को लेकर सवाल बने हुए हैं।

उद्धव ठाकरे को पद का लालच नहीं

अंबादास दानवे की उम्मीदवारी पर प्रियंका चतुर्वेदी की पोस्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनाव में शिवसेना ने अंबादास दानवे के नाम पर मुहर लगाकर सभी अटकलों को समाप्त कर दिया है। इस फैसले के बाद पार्टी की वरिष्ठ नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व की सराहना करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा की है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने हमेशा यह सिद्ध किया है कि उन्हें सत्ता का मोह नहीं है। चतुर्वेदी ने याद दिलाया कि जब विधायकों ने विश्वासघात किया था, तब भी उन्होंने मुख्यमंत्री पद और सरकारी आवास छोड़ने में संकोच नहीं किया था। प्रियंका चतुर्वेदी के अनुसार, महाविकास आघाडी की एकमात्र सुरक्षित सीट के लिए सभी दलों का सर्वसम्मत समर्थन प्राप्त होने के बावजूद, उद्धव ठाकरे ने स्वयं सदन में जाने के बजाय पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता और बुलंद आवाज अंबादास दानवे को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल खुद पद पर बने रहना नहीं, बल्कि सही समय पर दूसरों को जिम्मेदारी सौंपना है।

सहयोगी दलों का आग्रह और उद्धव का फैसला

अंबादास दानवे की घोषणा से पूर्व, एमवीए के सहयोगी दलों के बीच यह प्रबल इच्छा थी कि उद्धव ठाकरे स्वयं विधान परिषद का प्रतिनिधित्व करें। एनसीपी की नेता सुप्रिया सुले ने सार्वजनिक रूप से उनसे चुनाव लड़ने की अपील की थी और कांग्रेस ने भी उनके नामांकन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था। हालांकि, विधायक आदित्य ठाकरे ने स्पष्ट किया कि पार्टी प्रमुख पर स्वयं चुनाव लड़ने का भारी दबाव था, लेकिन अंतिम निर्णय स्वयं उद्धव ठाकरे ने ही लिया कि अंबादास दानवे ही गठबंधन का चेहरा होंगे।

अंबादास दानवे: विधान परिषद में एक अनुभवी चेहरा

अंबादास दानवे पूर्व में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके हैं। राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से उनके नाम की पुष्टि की और बताया कि दानवे गुरुवार सुबह अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पार्टी का मानना है कि दानवे सदन के भीतर सरकार को घेरने और पार्टी की विचारधारा को मजबूती से रखने में सक्षम हैं।

महायुति बनाम महाविकास आघाडी का मुकाबला

आज नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है। जहां शिवसेना ने दानवे को मैदान में उतारा है, वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने नीलम गोरे और बच्चू कडू को अपना प्रत्याशी बनाया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कांग्रेस और अन्य दलों के बीच तालमेल के बाद यह चुनाव निर्विरोध संपन्न होगा या 12 मई को मतदान की नौबत आएगी।

मानखुर्द में एआईएमआईएम नगरसेविका का जाति प्रमाण पत्र रद्द

बीएमसी को कार्रवाई के निर्देश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की हालिया करारी हार के बाद स्थानीय राजनीति में नया मोड़ आ गया है। वार्ड क्रमांक 138 की एआईएमआईएम नगरसेविका रोशन मोहम्मद सलीम शेख को प्रशासन की ओर से बड़ा झटका लगा है। जांच समिति ने उनके द्वारा प्रस्तुत 'जुलाहा' (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र को अवैध घोषित करते हुए तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है और बीएमसी कमिश्नर को कानूनी एक्शन के निर्देश दिया है। इस फैसले से विपक्षी खेमे में फिर से उम्मीद जाग गई है। बता दें कि पिछले मनपा चुनाव में रोशन शेख को 7,400 वोट मिले थे, जबकि महफूज शेख को 5,500 और अर्जुन शिंदे को 2,600 वोट प्राप्त हुए थे।

फजीवाड़े का खुलासा और समिति का फैसला

यह मामला दिसंबर 2025 में शुरू हुआ, जब बीएमसी के चुनाव अधिकारी ने रोशन शेख के जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन का प्रस्ताव जांच समिति को भेजा। समाजवादी पार्टी के मोहम्मद महफूज शेख और यूबीटी के अर्जुन शिंदे ने इस प्रमाण पत्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। विजिलेंस टीम की रिपोर्ट और सुनवाई के दौरान पाया गया कि रोशन शेख द्वारा पेश किए गए दस्तावेज उनके दावों की पुष्टि नहीं करते थे और बाद में तैयार किए गए प्रतीत होते हैं। जांच समिति ने सभी सबूतों पर विचार करने के बाद प्रमाण पत्र को जब्त कर अवैध घोषित कर दिया। समिति ने केवल प्रमाण पत्र रद्द करने तक सीमा नहीं रखी, बल्कि बीएमसी आयुक्त को महाराष्ट्र जाति प्रमाण पत्र अधिनियम, 2000 के तहत रोशन शेख के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं।

शेयर निवेश के नाम पर ठगी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शहर में खुद को गुजरात के एक पूर्व सांसद का बेटा बताकर शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक कारोबारी समेत कई लोगों से लाखों रुपए ठगे हैं। खार पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान विक्की वाजूभाई बरेजिया उर्फ विक्की प्रजापति के रूप में हुई है। आरोपी ने खार निवासी कारोबारी से मार्च 2025 में मुलाकात कर अपने पिता को पूर्व सांसद बताते हुए और वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध होने का दावा कर भरोसा जीता। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने निवेश की रकम छह महीने में दोगुनी करने का झांसा देकर स्वर्णजीत सिंह से नकद, आरटीजीएस और एनईएफटी के जरिए 41.39 लाख रुपए हासिल किए। बाद में आरोपी ने केवल 9.75 लाख रुपए लौटाए और शेष भुगतान बंद कर दिया।

चीज एनालॉग पर एफएसएसएआई सख्त

एफएसएसएआई ने फूड सर्विस देने वाली कंपनियों को जारी किया नोटिस

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

फूड सेफ़्टी, क्वालिटी और उपभोक्ताओं को सही जानकारी सुनिश्चित करने के लिए फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई), वेस्ट रीजन ने फूड सर्विस देने वाली कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण पब्लिक नोटिस जारी किया है। इसमें सभी सेंट्रली लाइसेंस प्राप्त मैन्युफैक्चरर्स, फूड सर्विस एस्टैब्लिशमेंट्स और अन्य फूड बिजनेस ऑपरेटरों को चीज एनालॉग से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी चीज एनालॉग को 'पनीर' के रूप में बेचना कानून का गंभीर उल्लंघन है और इसे तुरंत बंद किया जाए। निमार्ताओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने उत्पादों का नाम स्पष्ट और सही तरीके से उल्लेख करें, खासकर जब इन्हें फूड सर्विस संस्थानों को सप्लाई किया जा रहा हो। वहीं, रेस्तरां और अन्य संस्थानों को अपनी खरीद टीम और शेफ को प्रशिक्षित करने, कच्चे माल की निगरानी बढ़ाने और गलत नाम से उत्पादों के इस्तेमाल से बचने के लिए कहा गया है।

एफएसएसएआई ने यह भी अनिवार्य किया है कि जहां भी चीज एनालॉग का उपयोग हो, उसे मेन्यू या डिस्प्ले बोर्ड पर स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए, ताकि ग्राहकों को गुमराह न किया जा सके। इसके साथ ही कच्चे माल की नियमित जांच, सत्यापन और रिकॉर्ड रखने को भी जरूरी कर दिया गया है। नोटिस के तहत नियामक अधिकारियों को डेयरी सेक्टर में 100 प्रतिशत निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, जिससे लेबलिंग और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। यह कदम खाद्य सुरक्षा, पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों की रक्षा की दिशा में अहम माना जा रहा है।

'अगर महाराष्ट्र में बिजनेस करना है तो...', मंत्री प्रताप सरनाईक का फरमान!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में ऑटो, टैक्सी या ओला-उबर जैसी सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए मराठी भाषा जानना अनिवार्य होगा। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने स्पष्ट कहा कि जो भी महाराष्ट्र में व्यवसाय करना चाहता है, उसे मराठी आनी ही चाहिए। वे पिंपरी-चिंचवड़ बस डिपो के निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मराठी भाषा की अनिवार्यता पर जानकारी देते हुए मंत्री प्रताप सरनाइक ने बताया कि यह नियम राज्य सरकार ने 1989 में ही लागू किया था, जिसमें अब आवश्यक संशोधन किए गए हैं। 1 मई से इस नियम का सख्ती से पालन कराया जाएगा और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी होगी।

इस वजह से लिया जा रहा फैसला

उन्होंने कहा कि कई बार यात्री मराठी में बात करते हैं, लेकिन ड्राइवर को भाषा समझ नहीं आती, जिससे विवाद की स्थिति बनती है और मामले पुलिस तक पहुंच जाते हैं। ऐसे विवादों को रोकने के लिए ड्राइवरों को मराठी आना जरूरी है। जिन्हें मराठी नहीं आती, वे साहित्यकारों की किताबों के जरिए इसे सीख सकते हैं।

15 मई से चलेगा अभियान

इससे पहले मंत्री प्रताप सरनाइन ने कहा था कि महाराष्ट्र परिवहन विभाग एक मई से 15 अगस्त तक एक विशेष सत्यापन अभियान चलाएगा ताकि राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बनाने के निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

मराठी नहीं जानने वालों का होगा लाइसेंस रद्द

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत मराठी नहीं जानने वाले चालकों के लाइसेंस रद्द नहीं किए जाएंगे, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हिंदमाता एंकर: पार्षदों की गैरमौजूदगी से वडाला और दादर पुनर्विकास प्रस्ताव खारिज

बीएमसी में सत्ताधारी दल को बड़ा झटका

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई नगर निगम की हालिया आम बैठक सत्ताधारी दल के लिए किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हुई। दादर-नायगांव क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण भूखंड के पुनर्विकास और वडाला की रणनीतिक जमीन को गोदरेज कंपनी को देने से संबंधित दो प्रमुख प्रस्तावों को सदन में पेश किया गया था। इन अत्यावश्यक प्रस्तावों को पारित करने के लिए नियमानुसार 2/3 या 3/4 विशेष बहुमत की आवश्यकता थी। हालांकि, महत्वपूर्ण मतदान के समय सत्ताधारी पार्षदों की बड़ी संख्या में अनुपस्थिति के कारण सरकार को मुंह की खानी पड़ी और दोनों ही प्रस्ताव खारिज हो गए। सदन में उस समय सत्ताधारी दल के केवल 61 पार्षद मौजूद थे, जबकि विपक्ष के 58 पार्षद एकजुट होकर विरोध में खड़े थे। विपक्ष द्वारा मतदान की मांग किए जाने के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई कि सत्ता पक्ष के पास प्रस्ताव पारित कराने के लिए पर्याप्त आंकड़ा नहीं है। इस विफलता ने विशेष रूप से दादर-नायगांव पुनर्विकास परियोजना के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा दिए हैं, जिसे क्षेत्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

विपक्ष का प्रहार और भ्रष्टाचार के आरोप

कांग्रेस नेता अशरफ आजमी ने इस पूरे मामले में आक्रामक रुख अपनाते हुए सत्ताधारी दल को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि वडाला की जमीन निजी डेवलपर को देने के प्रस्ताव में भारी अनियमितताएं और तकनीकी खामियां थीं। आजमी ने स्पष्ट किया कि मुंबई के करदाताओं के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विपक्ष के इस आत्मविश्वास ने सत्ताधारी गठबंधन को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया है।

मुख्यमंत्री की फटकार और नोटिस की तैयारी

नगर निगम की बैठक में इस तरह की अव्यवस्था और पार्षदों की अनुपस्थिति ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नाराज कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने लगातार बैठकों से नदारद रहने वाले पार्षदों की सूची मांगी है और उन पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। पार्टी अब उन भाजपा पार्षदों को नोटिस भेजने की तैयारी कर रही है जिन्होंने न केवल बैठक में बाधा डाली, बल्कि अपनी अनुपस्थिति से पार्टी को सदन में कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया।

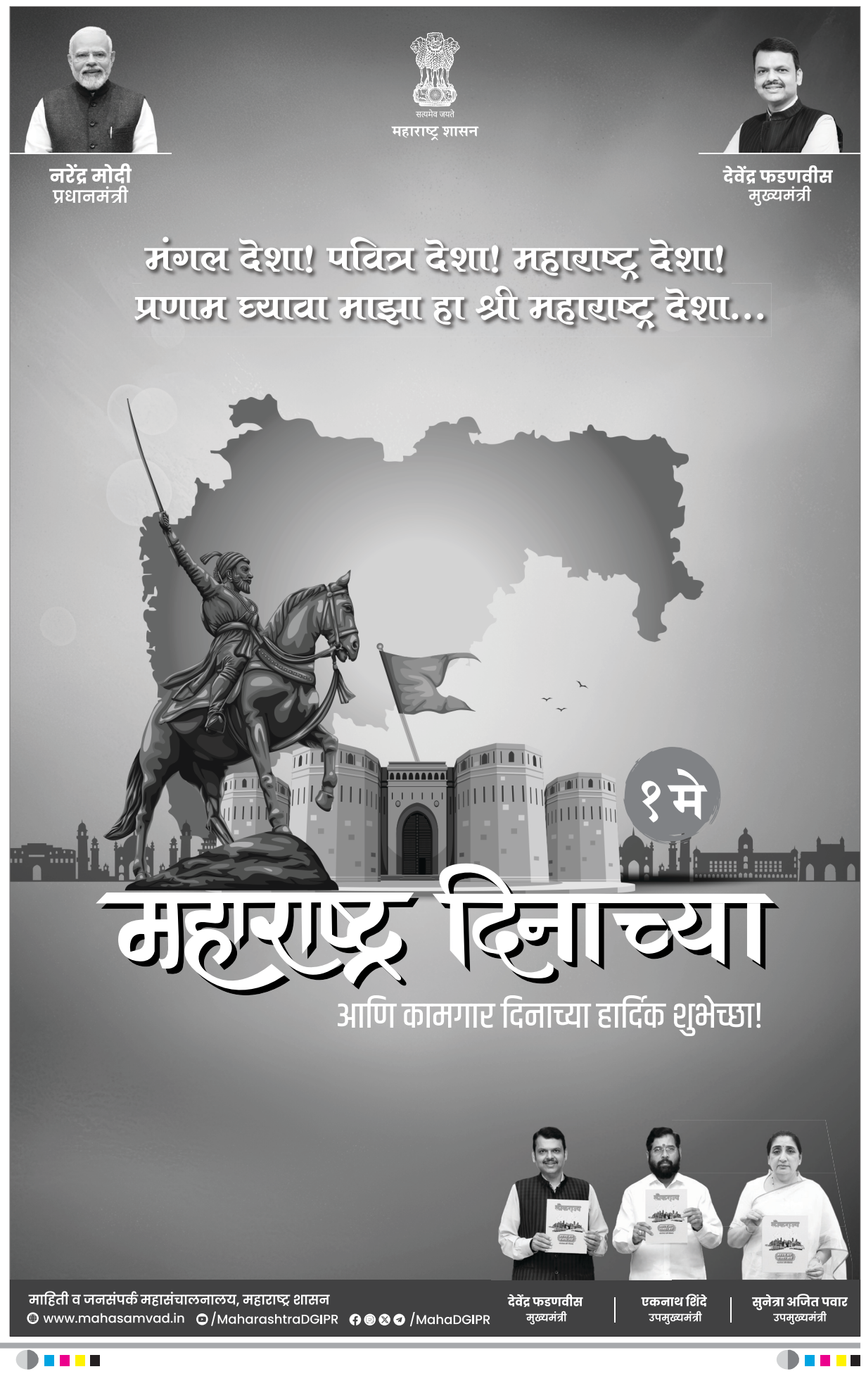

विचार प्रवाह

नाम में क्या रखा है? जिसे हम गुलाब कहते हैं उसे किसी और नाम से पुकारें तो भी वो उतना ही अच्छा महकेगा।

- विलियम शेक्सपीयर

संपादकीय

गहन चिकित्सा देखभाल के संवेदनशील दिशानिर्देश

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिदेर्शों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निदेर्शों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

आज का इतिहास

■ 1945 - सोवियत लाल सेना का बर्लिन में प्रवेश।

■ 1984 - फू दोरजी बिना ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल।

■ 1993 - श्रीलंका के राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदास की बम विस्फोट में मृत्यु।

■ 1996 - संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं को सरकारी तौर पर निर्धन घोषित किया।

■ 1998 - पोलैंड, हंगरी और चेक गणराज्य को नाटो में शामिल करने संबंधी प्रस्ताव सीनेट में पारित।

■ 1999 - नेपाल में मृत्युदंड की सजा समाप्त।

■ 2000 - अंतर्राष्ट्रीय अन्तर-संसदीय संघ ने पाकिस्तान, आइवरी कोस्ट व सूडान को देश की संसद भंग करने के लिए संघ की सदस्यता से निलंबित किया।

■ 2001 - लश्कर-ए-तोइबा व जैश-ए-मोहम्मद संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवादी संगठन घोषित, भारत संयुक्त अमेरिकी की विशेष 301 सूची में शामिल।

■ 2002 - अमेरिका की अपील पर इस्त्रायल ने हेब्रोन से सेना हटाई।

■ 2003 - अमेरिकी राजनयिक पाल ब्रोमर की इराक के प्रशासक पद पर नियुक्ति।

■ 2004 - यूरोपीय संघ में 10 नये राष्ट्र शामिल।

■ 2005 - सद्दाम हुसैन ने सशर्त रिहाई की अमेरिकी पेशकश ठुकराई।

■ 2007 - ईएसपीएन द्वारा वनडे क्रिकेट रैंकिंग में भारत को नवां स्थान।

■ 2008-राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सात नये जजों की नियुक्ति की। पाकिस्तान के तालिबान समर्थक आतंकी गुट का पश्चिमोत्तर सीमान्त प्रान्त के डेरा अदम खेल शहर पर नियंत्रण। बेलारूस ने 10 अमेरिकी राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया।

■ 2013-स्व. रमेश भाई को श्रद्धांजलिस्वरूप उनके बासठवें जन्मदिवस समारोह मजदूर दिवस के अवसर पर सर्वोदय आश्रम टडियांवा मे आयोजित समारोह में भारतकोश पर रमेश भाई से संबंधित सामग्री को वैश्विक पाठक वर्ग को समर्पित किया गया।

■ 1986 - संदीप कुमार - भारतीय एथलेटिक्स हैं।

■ 1969 - हीरा सरनीया - असम से भारतीय राजनीतिज्ञ हैं।

■ 1964 - नेकराम शर्मा- भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध किसान हैं। वर्ष 2023 में भारत सरकार ने उन्हें कृषि क्षेत्र में उनके योगदान हेतु 'पद्म श्री' से सम्मानित किया है।

■ 1961 - अजय भट्ट - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।

■ 1913 - बलराज साहनी- प्रसिद्ध हिंदी फिल्म अभिनेता

यूपीआई : वैश्विक विकल्प

युद्ध और आर्थिक संकट के दौर में डिजिटल भुगतान की रूप में उभरता भारत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इस फरवरी में जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो पश्चिम एशिया में हड़कंप मच गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे तथा स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद कर दिया। यह वह समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और अरबों डालर का व्यापार होता है। बैंकिंग के रास्ते धीमे पड़ गए, पैसे भेजना मुश्किल हो गया। 40 दिनों की भीषण लड़ाई के बाद दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन उसके विस्तार के बाद भी स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस जंग ने दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को तहस नहस कर दिया। होर्मुज बंद होने से तेल के दाम आसमान छू गए। शिपिंग कंपनियां रास्ता बदलने पर मजबूर हो गई और सबसे बड़ी तकलीफ यह रही कि भारत के लाखों मजदूर जो यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब में काम करते हैं, उनके परिवारों तक पैसे भेजना मुश्किल हो गया। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गई।

स्विफ्ट और प्रतिबंधों की राजनीति

यह पहला मौका नहीं है जब दुनिया ने देखा कि पैसों की व्यवस्था को हथियार बनाया जा सकता है। 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस को स्विफ्ट से बाहर कर दिया था। इस व्यवस्था के जरिए दुनिया के बैंक आपस में पैसे भेजते हैं। सीधे शब्दों में यह बैंकों का वाट्सएप है। रूस के स्विफ्ट से बाहर होने के बाद रूसी लोग दुनिया से कट गए। अब ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध हैं।

यूपीआई की शुरूआत और वैश्विक महत्व

■ भारत ने यूपीआआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को 2016 में तब शुरू किया था, जब दुनिया में इस तरह के संकटों की कल्पना भी मुश्किल थी। नेशनल पेमेंट्स कापोर्रेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने यह व्यवस्था इसलिए बनाई थी, ताकि हर भारतीय को सस्ता, तेज और आसान डिजिटल भुगतान मिल सके। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यही यूपीआई एक दिन दुनिया के लिए स्विफ्ट का सबसे बड़ा निष्पक्ष विकल्प बन सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका- इजराइल और ईरान की जंग ने यह साबित कर दिया कि भारत ने जो व्यवस्था अपने नागरिकों के लिए बनाई थी, वह आज पूरी दुनिया की जरूरत है। स्विफ्ट ने वादा किया था कि वह निष्पक्ष रहेगा, लेकिन राजनीति आई तो उसने पक्ष लिया। यूपीआई किसी के हाथ का हथियार नहीं और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूपीआई जिसे आप फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के जरिए रोज इस्तेमाल करते हैं, दुनिया की सबसे तेज और सबसे सस्ती भुगतान व्यवस्था है। अब यह देश की सीमाएं पार कर रही है। सिंगापुर, यूएई, फ्रांस और मारीशस जैसे कई देशों से यूपीआई का जुड़ाव हो चुका है।

विदेशी धन और यूपीआई की भूमिका

■ भारत दुनिया में सबसे ज्यादा विदेशी पैसा मंगाने वाला देश है। हर साल करीब 11 लाख करोड़ रुपए भारतीय विदेश से अपने घर भेजते हैं। लंदन में बैठी नर्स, ह्यूस्टन का इंजीनियर, दुबई का दुकानदार सब अपने परिवार को पैसे भेजते हैं। पुराने तरीकों से पैसे भेजने में 6-7 प्रतिशत तक की फीस कट जाती है। यूपीआई के जरिए यह खर्च लगभग खत्म हो सकता है।

भरोसा और वैश्विक स्वीकार्यता

■ जब दुनिया में जंग हो तब पैसा रुकना नहीं चाहिए। यूपीआई यही सुनिश्चित करने का काम कर रहा है। अब सवाल उठता है कि क्या रूस या चीन ने भी ऐसा कुछ नहीं बनाया? बनाया तो, लेकिन दुनिया ने उन्हें नहीं अपनाया, क्योंकि भरोसा नहीं था। ईरान के खिलाफ युद्ध में यही देखा गया कि जो देश अमेरिका के निशाने पर हैं, उनकी भुगतान व्यवस्था दुनिया स्वीकार नहीं करती। भारत न किसी पर प्रतिबंध लगाता है और न किसी को धमकाता है। इसीलिए कई देश यूपीआई से जुड़ने को तैयार हैं। इस युद्ध ने एक और बात साफ कर दी कि दुनिया डालर पर निर्भरता कम करना चाहती है। भारत की रुपए आधारित यूपीआई सेटलमेंट इसका एक व्यावहारिक जवाब है।

नेटवर्क की ताकत और नेक्सस पहल

■ कुछ लोग सोचते हैं कि अगर भारत अपनी यूपीआई तकनीक दूसरे देशों को दे रहा है तो वे इसे कापी कर लेंगे। यह सोच सही नहीं। तकनीक कापी हो सकती है, लेकिन नेटवर्क नहीं। जैसे वाट्सएप की तकनीक कोई भी बना सकता है लेकिन उसके करोड़ों उपयोगकर्ता कोई नहीं छीन सकता। यूपीआई का नेटवर्क, उसके करोड़ों उपयोगकर्ता और उसकी साख यही भारत की असली पूंजी है। आज भारत प्रोजेक्ट नेक्सस जैसी वैश्विक पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रोजेक्ट नेक्सस का मतलब है दुनिया के अलग-अलग देशों की फास्ट पेमेंट व्यवस्थाओं को एक साथ जोड़ना। यह स्विफ्ट का एक खुला और निष्पक्ष विकल्प बन सकता है, जिसे कोई एक देश बंद नहीं कर सकता।

चुनौतियां और सुधार की दिशा

■ अभी यूपीआई वैश्विक स्तर पर पूरी तरह सरल नहीं बन पाया है। विदेश में रहने वाले भारतीयों को अभी भी भारतीय सिम कार्ड की जरूरत पड़ती है। सभी देशों में सभी दुकानों पर यूपीआई नहीं चलता, लेकिन रिजर्व बैंक और एनपीसीआई इस पर काम कर रहे हैं। जल्द ही यह रुकावटें दूर होंगी। आज दुनिया जिस तरह अनिश्चितता से भरी है, उसमें यूपीआई की जरूरत और भी ज्यादा है।

बदलता युद्ध और निष्पक्ष भुगतान की जरूरत

■ युद्ध का मैदान अब सिर्फ जमीन पर नहीं है। वह बैंकों में, पेमेंट सिस्टम में और डिजिटल नेटवर्क में भी है। अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग ने फिर साबित किया कि जब दुनिया बंट जाती है तो पैसों की निष्पक्ष व्यवस्था सबसे बड़ी जरूरत बन जाती है। भारत का यूपीआई वही निष्पक्ष व्यवस्था है।

आंखनदेखी

काठमांडू में रतो मच्छिन्द्रनाथ महोत्सव के दौरान महिला श्रद्धालु लगनखेल से ठाटीटोले तक विशाल रथ को खींचती हुई। महीने भर चलने वाला यह उत्सव क्षेत्र के सबसे लंबे और प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त भाग लेते हैं।

प्रेरक प्रसंग

लालच का फल

घने जंगल में एक शिकारी रोज की तरह शिकार की तलाश में भटक रहा था। वह काफी देर से इधर-उधर घूम रहा था, लेकिन उसे कोई भी शिकार हाथ नहीं लग रहा था। तभी अचानक उसकी नजर एक तेजी से भागते हुए जंगली सूअर पर पड़ी। शिकारी की आंखों में चमक आ गई। उसने तुरंत अपने धनुष पर बाण चढ़ाया और सूअर का पीछा करने लगा। सूअर भी बहुत तेज था और जान बचाने के लिए पूरी ताकत से भाग रहा था। लेकिन शिकारी हार मानने वाला नहीं था। कुछ दूर तक पीछा करने के बाद उसने निशाना साधकर बाण छोड़ दिया। बाण सीधा जाकर सूअर के शरीर में लगा और वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। शिकारी अपनी सफलता पर बहुत खुश हुआ और धीरे-धीरे सूअर के पास जाने लगा। लेकिन तभी अचानक झाड़ियों में से एक और जंगली सूअर बाहर निकला। वह शायद घायल सूअर का साथी था। अपने साथी को घायल देखकर वह क्रोधित हो उठा और बिना सोचे-समझे शिकारी पर टूट पड़ा। शिकारी संभल पाता उससे पहले ही उस सूअर ने उस पर जोरदार हमला कर दिया। कुछ ही पलों में शिकारी जमीन पर गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई। थोड़ी देर बाद घायल सूअर ने भी दम तोड़ दिया। कुछ समय बाद वहां से एक सियार गुजरा। उसने देखा कि एक ही जगह पर एक शिकारी और दो सूअर मरे पड़े हैं। यह दृश्य देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सोचा, 'आज तो मेरे लिए बहुत बड़ा भोज तैयार है। कई दिनों तक मुझे भोजन की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

■ लोभ में डूबा सियार यह सोचकर बेचैन हो उठा कि कहीं कोई दूसरा जानवर आकर उसका हिस्सा न छीन ले। इसलिए उसने जल्दी-जल्दी खाने का फैसला किया। वह बिना सोचे-समझे मृत सूअर को नोच-नोचकर खाने लगा। खाते-खाते उसकी नजर उस बाण पर नहीं गई जो अभी भी सूअर के शरीर में धंसा हुआ था।

■ जैसे ही उसने तेजी से मांस खींचा, वह बाण निकलकर सीधे उसके गले में जा फंसा। सियार दर्द से तड़पने लगा। उसने बचने की बहुत कोशिश की, लेकिन बाण गले में गहराई तक धंस चुका था। कुछ ही देर में तड़प-तड़प कर उसकी भी मृत्यु हो गई। इस तरह एक ही स्थान पर लालच और क्रोध के कारण तीनों की जान चली गई। जंगल फिर से शांत हो गया, लेकिन यह घटना एक बड़ी सीख देकर गई। सीख : लालच का अंत हमेशा बुरा होता है।

राशिफल

मेष- बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें।

वृषभ-कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। दिन की शुभता का लाभ मिलेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन- पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क- किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह- व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें। कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा।

कन्या- आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला-किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी।

धनु- आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर- रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें।

कुंभ- नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। समाजसेवा में रुझान रहेगा।

मीन-लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। राजकीय अवरोध दूर होंगे।

गुनाह, गवाह और 35 साल

● प्रेमिका की 'रूह' ने बेनकाब किया 'कातिल' प्रेमी का राज?

हिंदमाता नेटवर्क @ अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां 35 साल पहले हुए एक मर्डर केस का राज अब जाकर बेपर्दा हुआ है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने साल 1992 में लापता हुई एक महिला के अवशेष तलाशने के लिए पुराने कुएं की खुदाई शुरू कर दी है। यह मामला न सिर्फ एक पुराने जुर्म का पदार्फाश कर रहा है, बल्कि इसमें सामने आए घटनाक्रम ने लोगों को चौंका दिया है। खास बात यह है कि इस केस में एक अजीब घटनाओं की श्रृंखला के बाद पुलिस तक अहम सुराग पहुंचे। अब पुलिस इस मामले को सुलझाने के लिए तेजी से कार्रवाई कर रही है।

कुएं की खुदाई से मिले सुराग

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से उस कुएं की खुदाई शुरू की है, जहां महिला की लाश दफन होने की आशंका जताई गई थी। पुलिस के मुताबिक यह हत्या साल 1992 में हुई थी, लेकिन उस वक्त यह मामला सामने नहीं आ सका। इतने सालों बाद जब पुलिस को पुख्ता जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए खुदाई का काम शुरू कराया। खुदाई के दौरान टीम को कुछ अवशेष भी मिले हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

मृतका और आरोपी की पहचान

■ क्राइम ब्रांच के अनुसार मृतक महिला की पहचान फरजाना उर्फ शबनम के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक उसकी हत्या शमशुद्दीन नाम के व्यक्ति ने की थी, जिसकी अब मौत हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए लाश को अपने घर के पास मौजूद एक कुएं में दफना दिया था। इस तरह यह संगीन जुर्म सालों तक छिपा रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।

प्रेम संबंध और हत्या की वजह

■ प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फरजाना मुंबई से शमशुद्दीन के घर आई थी और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। लेकिन परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद शमशुद्दीन ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। इसके बाद उसने चुपचाप लाश को ठिकाने लगा दिया। इस पूरे घटनाक्रम को इस तरह अंजाम दिया गया कि आसपास के लोगों को भी शक नहीं हुआ।

एक्स फाइल

अजीब घटनाओं से खुला राज

■ इस मामले में नया मोड़ तब आया जब आरोपी के परिवार में एक अजीब घटना घटित हुई। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्यों को बार-बार मृतक फरजाना का भ्रम होने लगा। इससे परिवार के लोग डर और मानसिक तनाव में आ गए। लगातार हो रही इन घटनाओं ने उन्हें परेशान कर दिया और वे इस रहस्य को समझने के लिए अलग-अलग उपाय करने लगे।

तांत्रिक उपाय और पुलिस तक सुराग

■ परिवार ने इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिक उपायों और टोटकों का सहारा लिया। इसी दौरान कुछ ऐसी जानकारियां सामने आईं, जिन्होंने इस पुराने केस की परतें खोलनी शुरू कर दीं। यह जानकारी किसी तरह अहमदाबाद क्राइम ब्रांच तक पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने केस को फिर से खोला और सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी।

पूछताछ और जांच की प्रक्रिया

■ पुलिस ने इस मामले में मृत आरोपी शमशुद्दीन के भाई रिजवान समेत अन्य सहआरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर ही कुएं की खुदाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि खुदाई में मिले अवशेषों को डीएनए टेस्ट के लिए भेजा जाएगा, ताकि यह पुष्टि हो सके कि ये अवशेष फरजाना के ही हैं।

डीएनए रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई

■ क्राइम ब्रांच ने फरजाना उर्फ शबनम के परिवार का भी पता लगा लिया है और उन्हें इस मामले की जानकारी दी जा रही है। अब पुलिस डीएनए रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। 35 साल बाद सामने आया यह मामला दिखाता है कि अपराध कितना भी पुराना क्यों न हो, सच्चाई एक दिन सामने आ ही जाती है। यह केस अब अहमदाबाद में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसके हर अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की मर्जी से रुका: राजनाथ सिंह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी इच्छा और शर्तों पर रोकने का फैसला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस समय देश लंबे युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार था और किसी भी परिस्थिति से निपटने की क्षमता रखता था। दिल्ली में आयोजित नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र बताया और कहा कि आतंकवाद की जड़ों को पूरी तरह समाप्त करना आवश्यक है।

भारत अब पहले जैसा नहीं रहा

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की नीति अब जीरो टॉलरेंस की है। उन्होंने कहा कि अब भारत आतंकवादी हमलों पर केवल कूटनीतिक बयान देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि निर्णायक कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने उन्हीं ठिकानों को निशाना बनाया जहां से भारत पर हमले किए गए थे। हमने यह ऑपरेशन क्षमता की कमी के कारण नहीं रोका, बल्कि इसे अपनी शर्तों पर स्वेच्छा से रोका गया था।

राजनाथ सिंह बोले- भय बिन होय न प्रीति

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा भय बिन होय न प्रीति यानी बिना भय के प्रेम संभव नहीं है। यही प्रतिरोध का मूल सिद्धांत है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी यह बात लागू होती है कि मजबूत प्रतिरोध ही शांति और स्थिरता की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस सिद्धांत का वास्तविक उदाहरण है, जिसने दुनिया को भारत की नई रणनीतिक क्षमता का संदेश दिया।

पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने लगातार आतंकवाद का समर्थन किया है। भारत और पाकिस्तान को एक ही समय में आजादी मिली थी। आज भारत सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है। वहीं, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र बन गया है। भारत का सैन्य औद्योगिक परिसर युद्धकाल में भी तेजी से आपूर्ति के लिए तैयार है। पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि आतंकवाद केवल ऑपरेशनल नहीं बल्कि वैचारिक और राजनीतिक स्तर पर भी फैलता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की राजनीतिक और वैचारिक जड़ें ही उसकी असली ताकत हैं और इन्हें खत्म करना जरूरी है।

लंबे युद्ध की तैयारी और मजबूत सैन्य क्षमता

राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि भारत की सैन्य क्षमता लगातार मजबूत हुई है और जरूरत पड़ने पर तेजी से बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसी भी प्रकार की परमाणु धमकी से प्रभावित नहीं हुआ। रक्षा मंत्री ने बताया कि भले ही ऑपरेशन सिंदूर मात्र 72 घंटे में पूरा हुआ हो, लेकिन इसकी तैयारी लंबे समय से चल रही थी।

भारत की सैन्य क्षमता और स्वदेशी हथियारों पर भरोसा

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत की सैन्य ताकत में उसकी सर्ज क्षमता और स्टोरेज क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके साथ ही स्वदेशी हथियारों की बढ़ती विश्वसनीयता ने भारत की प्रतिरोध क्षमता को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि यही सभी तत्व मिलकर भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत बनाते हैं और किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाते हैं।

बातचीत के बाद हुआ था संघर्ष विराम

गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में शुरू किया गया था, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की खबर थी। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और गोलीबारी की गई, जिसके जवाब में भारत ने भी सख्त कार्रवाई की। बाद में 10 मई को दोनों देशों के DGMO के बीच बातचीत के बाद संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी।

एग्जिट पोल के अनुमान कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए है: ममता बनर्जी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए 'भाजपा के निर्देश पर' एग्जिट पोल के पूर्वानुमान प्रसारित किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि सत्तारूढ़ पार्टी राज्य चुनावों में 294 विधानसभा सीटों में से 226 से अधिक सीटें जीतेगी।

■ 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले 'एक्स' पर पोस्ट एक वीडियो संदेश में, बनर्जी ने दावा किया कि टेलीविजन चैनल 'भाजपा कार्यालय से प्रसारित' चुनावी परिणामों के अनुमानों को प्रसारित कर रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि टेलीविजन पर जो दिखाया जा रहा है, उसे दोपहर एक बजकर आठ मिनट पर भाजपा कार्यालय से प्रसारित किया गया था। इसे प्रसारित करवाने के लिए पैसे दिए गए थे। मेरे पास इसकी पुख्ता जानकारी है।

■ अपनी पार्टी की जीत का भरोसा जताते हुए बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस 294 सदस्यीय विधानसभा में आराम से दो-तिहाई का आंकड़ा पार कर लेगी। उन्होंने कहा कि हम 226 सीटों का आंकड़ा पार कर लेंगे। हम शायद 230 सीटें भी पार कर लें। मुझे भारी जनादेश पर पूरा भरोसा है।

■ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बल 'भाजपा के एजेंट' के रूप में काम कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि अमित शाह के सीधे निर्देशों पर, चुनाव प्रक्रिया में केंद्रीय बल पश्चिम बंगाल में भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

मनमाने हवाई किराए पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सरकार से कहा- तीन बार समय दिया, फिर हलफनामा क्यों नहीं आया?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। दरअसल, सरकार ने उस याचिका पर अपना हलफनामा अब तक दाखिल नहीं किया, जिसमें देश के निजी की ओर से लगाए जाने वाले हवाई किराये और अन्य शुल्कों में अचानक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ सुनवाई कर रही थी। पीठ ने केंद्र से कहा कि वह एक आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल करे और बताए कि अब तक हलफनामा क्यों नहीं दिया गया और और समय क्यों मांगा जा रहा है। पिछले साल 17 नवंबर को कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से एक याचिका पर जवाब मांगा था। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी, जिसमें मांग की गई थी कि एक मजबूत और स्वतंत्र नियामक संस्था बनाई जाए जो विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

मामले की सुनवाई में क्या हुआ?

गुरुवार की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि केंद्र ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का हवाला दिया। इस पर कोर्ट ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या है जो आपको हलफनामा दाखिल करने से रोक रहा है? केंद्र के वकील ने कहा कि नियम बनाने पर विचार चल रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड में रखें। तीन बार समय दिया जा चुका है, फिर भी हलफनामा क्यों नहीं आया? केंद्र ने तीन हफ्ते का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने यह मांग स्वीकार नहीं की और कहा कि हलफनामा अगले सप्ताह तक देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

■ शीर्ष कोर्ट ने कहा कि आपका हलफनामा अगले शुक्रवार (8 मई) तक आ जाना चाहिए।

■ अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि 17 नवंबर को नोटिस जारी होने के बावजूद अब तक कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है।

■ आज भी केंद्र ने और समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया।

■ कोर्ट ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर उचित आवेदन और हलफनामा दाखिल किया जाए, जिसमें यह बताया जाए कि देरी क्यों हुई और और समय क्यों चाहिए।

■ अगली सुनवाई 11 मई को होगी।

मनमाने हवाई किराए पर कोर्ट ने जताई थी चिंता

इससे पहले 23 फरवरी को केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि विमानन मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है। 19 जनवरी की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हवाई किराए में अचानक बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई थी और कहा था कि त्योहारों के समय किराया बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। कोर्ट ने इसे 'शोषण' बताया था और केंद्र व विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से जवाब मांगा था। पिछले साल नवंबर में कोर्ट ने केंद्र, डीजीसीए और हवाईअड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी किया था।

याचिका में क्या कहा गया है?

याचिका में कहा गया कि निजी एयरलाइंस ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनॉमी क्लास के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज 25 किलो से घटाकर 15 किलो कर दिया है, जिससे पहले की सेवा को अब कमाई का जरिया बना दिया गया है। याचिका में यह भी कहा गया कि केवल एक बैग की अनुमति और बिना किसी छूट के नई नीति यात्रियों के साथ मनमानी है। इसमें यह भी कहा गया है कि अभी हवाई किराये या अतिरिक्त शुल्क को नियंत्रित करने वाली कोई संस्था नहीं है, जिससे एयरलाइंस मनमाने तरीके से शुल्क वसूल रही हैं।

ओबीसी बेटियों की शादी में सहारा बनी सरकार: सीएम योगी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राहत का बड़ा आधार बन रही हैं। खासतौर पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की गरीब बेटियों की शादी में आर्थिक मदद देकर सरकार एक अभिभावक की भूमिका निभा रही है। शादी अनुदान योजना के तहत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख से अधिक बेटियों को आर्थिक सहायता दी है। इस योजना में विकलांग, विधवा, आपदा प्रभावित और भूमिहीन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।

ओबीसी बेटियों की शादी में सहारा बनी योगी सरकार

दरअसल राज्य सरकार की शादी अनुदान योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। आर्थिक तंगी के कारण जहां बेटियों की शादी में कठिनाई आती थी, वहीं अब सरकार सीधे आर्थिक सहायता देकर इस बोझ को कम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत 1,16,000 से अधिक लाभार्थियों को सहायता दी गई है। इसके लिए 232 करोड़ रुपए खर्च किए गये हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि योजना बड़े स्तर पर लागू हो रही है और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही है।

पीएफएमएस के जरिए सीधे खाते में भुगतान

योजना के तहत अनुदान राशि पीएफएमएस के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई है। वहीं लाभार्थियों के चयन के लिए जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी-उपाध्यक्ष, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी-सदस्य/सचिव और जनपद के सांसद एवं विधायक अथवा उनके नामित प्रतिनिधि सदस्य के रूप में नामित है। इस तरह जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहती है।

प्रति शादी 20 हजार रुपए की मदद

योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी की शादी के लिए 20,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। इस योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलता है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये तक है। साथ ही, लड़की की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष होना अनिवार्य है, जिससे बाल विवाह पर भी रोक लगाने में मदद मिलती है।

आधार प्रमाणीकरण से मजबूत हुई व्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2023-24 से आवेदक और लाभार्थी की पुत्री का आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे फर्जीवाड़े पर रोक लगी है। इससे सही पात्रों को ही लाभ मिल रहा है, जिससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के निदेशक उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना अन्य पिछड़े वर्ग के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति बेटी की शादी पर 20,000 रुपए की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है।

विद्या भारती, असम के तहत गुवाहाटी में मेधावी छात्रों को सम्मान

मुख्य अतिथि के रूप में असम के मुख्य सचिव रवि कोटा

पंकज नाथ @ असम

विद्या भारती के अधीनस्थ शिशु शिक्षा समिति, असम के तहत गुवाहाटी के प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में गुरुवार को एक गरिमापूर्ण सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस समारोह में समिति के अधीन 527 शंकरदेव शिशु निकेतनों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सुबह 10:30 बजे दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से आरंभ हुए सत्र का उद्घाटन भाषण शिशु शिक्षा समिति असम के महासंघाध्यक्ष जगन्नाथ राजवंशी ने दिया। समारोह में पटासचकुचि के शंकरदेव शिशु निकेतन के मेधावी छात्र ज्योतिर्मय दास ने हाईस्कूल शिक्षाअंत परीक्षा (HSLC) में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर 98.5 प्रतिशत अंक हासिल करने पर विशेष सम्मान प्राप्त किया। इसके साथ ही 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अन्य मेधावी छात्र-तन्मय बरा (97.33%), निकिता देवी (95.83%), कौशिक सेनापति (96.33%), पार्थप्रतिम लहकर (95%), अम्लान भुइंया (95.33%), तनुस्का पराशर (95.34%) और कृष्णाक्षी कलिता (95.67%)-को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित असम सरकार के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने छात्रों को संबोधित करते हुए दृढ़ संकल्प, अनुशासन और लक्ष्य-निष्ठा का महत्व बताया। उन्होंने मेधावी छात्रों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए समाज के उत्थान में अग्रणी बनने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने भी विद्या भारती के शैक्षिक योगदान और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रयासों की उच्च प्रशंसा की। इसके अलावा, सम्माननीय अतिथि के रूप में शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अवकाश प्राप्त लेफ्टिनेंट राणा प्रताप कलिता और प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. स्मृति कुमार सिन्हा ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठनिक महासचिव डॉ. पवन तिवारी, महासचिव जगदींद्र रायचौधुरी और शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती उपस्थित रहे। शिशु शिक्षा समिति असम के प्रचार संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी के अनुसार, समारोह में पूर्व छात्र भारती की ओर से असमिया, संस्कृत और संगीत विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 51 छात्रों को, पहली बार 100 प्रतिशत उत्तीर्ण होने वाले निकेतनों के प्रधानाचार्यों को तथा 100 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाले निकेतनों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त पूर्व छात्र भारती के प्रभावी गौरव कलिता ने सभी पूर्व छात्र-छात्राओं को भावनाओं के साथ एकत्रित होकर अपनी मातृभाषा सहित भारतीय ज्ञान, परंपरा और संस्कृति के आधार पर मातृभूमि को आगे ले जाने का आह्वान किया।

तमिलनाडु और केरल में कांग्रेस की साझेदारी वाले गठबंधनों को मिलेगा बहुमत: मल्लिकार्जुन खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु और केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी की साझेदारी वाले गठबंधनों के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की गुरुवार को उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि असम में नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 'एग्जिट पोल' के अनुमान से अधिक सीटें मिलेंगी। खरगे ने कहा कि पुडुचेरी में कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला किया है, जबकि पश्चिम बंगाल में लड़ाई पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए रही है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के तहत मतगणना चार मई को होगी।

■ खरगे ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि कुछ जगहों पर एग्जिट पोल के नतीजे स्पष्ट दिख रहे हैं, लेकिन कुछ परिणामों ने भ्रम की स्थिति पैदा की है। मेरा मानना है कि तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। मैंने वहां के लोगों से बात की है। इसी तरह केरल में हमारे लोगों ने बताया है कि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को बहुमत मिलेगा।

■ कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि एग्जिट पोल में, असम में हमें अपेक्षा के अनुरूप सीटें नहीं दी गई हैं, लेकिन मुझे भरोसा है कि हमें उनसे अधिक सीटें मिलेंगी। पुडुचेरी में हमने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल इंडिया एन आर कांग्रेस के खिलाफ बराबरी की लड़ाई लड़ी है। वहां भी हमें उम्मीदें हैं। यह कड़ा मुकाबला रहा है, कुछ दिन इंतजार करते हैं। पश्चिम बंगाल के बारे में उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल और आंतरिक सूचना के अनुसार मुकाबला कड़ा रहा है। खरगे ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार तृणमूल कांग्रेस आगे है।

■ कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने केंद्रीय बलों की तैनाती के जरिए 'दमन करने और डराने-धमकाने' की कोशिश की, ताकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी जा सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए, पश्चिम बंगाल में हमारी शुरू से ही लड़ाई रही है। हमने वहां पहली बार अकेले चुनाव लड़ा है। हमारी लड़ाई पार्टी के हित और उसके विस्तार के लिए रही है।

खरगे ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, विधानसभा चुनावों के नतीजे पार्टी की अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे। उन्होंने कहा कि अभी तीन दिन बाकी हैं। अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा। कुछ दिन इंतजार करें, तस्वीर साफ हो जाएगी। बुधवार को जारी कई एग्जिट पोल में असम में भाजपा की प्रचंड जीत और पश्चिम बंगाल में उसे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर बढ़त मिलती दिखायी गई है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक के सत्ता में बने रहने तथा केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ की 10 साल बाद वापसी का अनुमान जताया गया है। हालांकि, कुछ सर्वेक्षणों में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की बड़ी जीत और तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा की संभावना भी जताई गई है। लगभग सभी एग्जिट पोल में पुडुचेरी में राजग सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है।

सम्राट चौधरी कैबिनेट का विस्तार 3 मई या 6 मई को

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का मतदान खत्म होते ही बिहार के लोगों का फोकस मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की 15 दिन पुरानी सरकार के कैबिनेट विस्तार पर आ गया है। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पहले सीएम बने सम्राट चौधरी ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के दो उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव के साथ 15 अप्रैल को शपथ ली थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार के पूरी तरह गठन के लिए बंगाल चुनाव के खत्म होने का इंतजार चल रहा था। ऐतिहासिक 92 फीसदी से ऊपर वोटिंग के साथ दो चरण में बंगाल का चुनाव खत्म हो चुका है। अब चर्चा है कि सम्राट चौधरी कैबिनेट का विस्तार 3 मई या 6 मई को हो सकता है। सम्राट कैबिनेट के विस्तार के लिए 3 मई और 6 मई की अटकल को भी बंगाल चुनाव से ही जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व बंगाल से चुनाव की आंतरिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसमें चुनाव नतीजों में पार्टी के संभावित प्रदर्शन का अनुमान होगा। बंगाल चुनाव की इंटरनल रिपोर्ट में अगर हर हाल में भाजपा की जीत का भरोसा जताया गया होगा तो पार्टी नतीजों के बाद 6 मई को बिहार कैबिनेट का विस्तार करवा सकती है। लेकिन, अगर बंगाल से आई रिपोर्ट में भाजपा की जीत को लेकर कोई किंतु-परंतु जैसी आशंका होगी तो पार्टी की कोशिश होगी कि सम्राट चौधरी कैबिनेट का विस्तार चुनाव नतीजों से पहले ही 3 मई को निबटा लिया जाए। बिहार में सीएम समेत 36 नेता मंत्री बन सकते हैं।

सम्राट चौधरी कैबिनेट में भाजपा से ज्यादा होंगे जदयू के मंत्री, बड़े मंत्रालय भी मिलेंगे?

सम्राट चौधरी की सरकार बनने के बाद से ही कैबिनेट में भाजपा और जदयू के मंत्रियों की संख्या को लेकर भी अटकलों का दौर चल रहा है। पूर्व सीएम नीतीश कुमार की कैबिनेट में भाजपा के मंत्रियों की संख्या जदयू से ज्यादा थी। जदयू के नेताओं का कहना है कि सम्राट चौधरी की सरकार में मॉडल वही रहेगा। यानी भाजपा का सीएम है तो जदयू के मंत्रियों की संख्या ज्यादा होगी। मंत्रालय बंटवारे में भी नीतीश के फॉर्मूले से चले तो जदयू को कई बड़े मंत्रालय भी मिल सकते हैं। सम्राट सरकार में सीएम और दोनों डिप्टी सीएम के अलावा भाजपा के 14 और जदयू के 15 नेता मंत्री बन सकते हैं।

सम्राट चौधरी की सरकार में पूर्व डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को क्या मिलेगा?

सीएम सम्राट और डिप्टी सीएम विजय और बिजेंद्र को छोड़कर नीतीश कैबिनेट में मंत्री रहे सारे नेता फिलहाल पूर्व मंत्री बने हुए हैं। नीतीश की अगुवाई वाली सरकारों में मंत्री रहे ज्यादातर नेता इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि उनको फिर मौका मिलेगा या नहीं और मिला तो मंत्रालय पुराना रहेगा या बदल जाएगा। इन पूर्व मंत्रियों में सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की हो रही है, जिन्हें पहली किस्त में सरकार में जगह नहीं मिल पाई। सोशल मीडिया पर इसे लेकर पॉजिटिव और नेगेटिव चीजों की भरमार लगी है।

सम्राट चौधरी कैबिनेट में 36 के 36 मंत्री पद नहीं भरे जाएंगे

नीतीश कुमार की ही तरह सम्राट चौधरी कैबिनेट में 36 के 36 पद भरने के बदले 1-2 मंत्रियों की जगह बनाकर रख सकते हैं, ताकि भविष्य में दूसरे दलों में तोड़-फोड़ की जरूरत पड़े तो डील के लिए ऑफर का इंतजाम रहे। सरकार में 1-2 मंत्रियों की जगह खाली हो तो उसकी बदौलत सामने वाली पार्टी के कुछ विधायकों को अपने वश में करना आसान हो जाता है। भाजपा और जदयू दोनों अपने कोटे से कम से कम 1-1 पद खाली रख सकती है। पिछली सरकार में जदयू के ज्यादातर मंत्री फिर से जगह पाएंगे। भाजपा के भी ज्यादातर मंत्री फिर से आएंगे, लेकिन नीतीश मिश्रा, कृष्ण ऋषि, नीरज सिंह बबलू जैसे कुछ पुराने मंत्री फिर से सरकार में आ सकते हैं।

सम्राट चौधरी सरकार में दीपक कुशवाहा का क्या होगा, चिराग और मांझी बदलेंगे मंत्री?

चिराग पासवान की लोजपा-आर, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो को पहले की तरह कैबिनेट में 2-1-1 मंत्री मिलेंगे, यह मोटा-माटी तय दिख रहा है। जीतनराम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन और उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश कुशवाहा फिर से मंत्री बनेंगे, यह भी तय दिख रहा है। चिराग पासवान भी अपने दोनों पुराने मंत्री संजय पासवान और संजय सिंह को रिपीट करेंगे, इसकी प्रबल संभावना है।

कहीं पेड़ गिरे तो कहीं दीवार ढही UP में आंधी-बारिश से तबाही

18 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बुधवार को तेज आंधी-बारिश ने तबाही मचा दी। दीवारों के ढहने, पेड़ गिरने और बिजली गिरने की घटनाओं में पूरे राज्य में 18 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा प्रभाव अवध क्षेत्र में पड़ा, जहां 13 लोगों की जान चली गई। सुल्तानपुर में 7, अमेठी और अयोध्या में 3-3 लोगों की मौतें हुईं। पूर्वांचल के जिलों में भी 5 लोगों की जान चली गई। हादसों में कई लोग घायल भी हुए हैं। राजधानी लखनऊ में आंधी-बारिश ने शहर से लेकर गांवों तक बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। 100 से ज्यादा बिजली खंभे गिर गए और तार टूट गए। सड़कों पर पेड़ गिरने से कई जगह यातायात बाधित रहा। उत्तर और पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं या प्रभावित हुई हैं। लखनऊ समेत अमेठी, रायबरेली और सीतापुर में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे।

उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बुधवार को तेज आंधी-बारिश ने तबाही मचा दी। दीवारों के ढहने, पेड़ गिरने और बिजली गिरने की घटनाओं में पूरे राज्य में 18 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा प्रभाव अवध क्षेत्र में पड़ा, जहां 13 लोगों की जान चली गई। सुल्तानपुर में 7, अमेठी और अयोध्या में 3-3 लोगों की मौतें हुईं। पूर्वांचल के जिलों में भी 5 लोगों की जान चली गई। हादसों में कई लोग घायल भी हुए हैं। राजधानी लखनऊ में आंधी-बारिश ने शहर से लेकर गांवों तक बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। 100 से ज्यादा बिजली खंभे गिर गए और तार टूट गए। सड़कों पर पेड़ गिरने से कई जगह यातायात बाधित रहा। उत्तर और पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं या प्रभावित हुई हैं। लखनऊ समेत अमेठी, रायबरेली और सीतापुर में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे।

बांदा अब भी सबसे गर्म जिला

बुधवार को करीब 20 जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश दर्ज की गई। वाराणसी में हवा की रफ्तार 109 किमी/घंटा और अयोध्या में 87 किमी/घंटा रही। गोरखपुर में 19 .2 मिमी, प्रयागराज में 11 .2 मिमी, वाराणसी में 9 मिमी और अमेठी-आजमगढ़ में 5 मिमी बारिश हुई। हालांकि, बांदा अभी भी सबसे गर्म जिला रहा, जहां तापमान 45 .8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।लखनऊ में कई जगह पेड़ों के गिरने से 400 से ज्यादा गांवों और कस्बों की बिजली तीन से सात घंटे तक गुल रही।

मौसम विभाग का अलर्ट

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मध्य क्षोभमंडल में उत्तरी पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के आसपास बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से यह मौसमी बदलाव आया है। अगले 24 घंटे तक मौसम का यही रुख बने रहने की संभावना है। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

सॉरी जिया, मम्मा को मरना ही पड़ेगा

साइबर ठगों ने ऐसा डराया कि महिला ने दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

हाल में उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से साइबर अपराध का एक बेहद संवेदनशील और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां ऑनलाइन ठगी और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर एक महिला ने अपनी जान दे दी। यह घटना केवल ठगी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि किस तरह 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे झांसे के जरिए अपराधी लोगों को मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। घटना का पूरी तरह खुलासा होने के बाद एक सुसाइड नोट भी मिला जो दिल कचोट देने वाला है।

बच्चियों को सोता छोड़ मां ने दे दी जान

कोतवाली शहर क्षेत्र के फरीदपुर भोगी गांव की रहने वाली 28 साल की मोनिका, पत्नी रणधीर, ने 27- 28 अप्रैल की रात अपने घर के एक कमरे में फंदा लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। उस समय उसकी दो बेटियां- 8 साल की जिया और 11 साल की नंदनी, उसी कमरे में सो रही थीं। सुबह जब बच्चियां जागीं, तो उन्होंने मां को इस हालत में देखा और उनकी चीख सुनकर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती तौर पर परिजनों को मामला संदिग्ध लगा और सामाजिक कारणों से पुलिस को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार कर दिया गया।

श्मशान घाट में आया वीडियो कॉल

हालांकि, मामला तब गंभीर मोड़ पर पहुंचा जब अंतिम संस्कार के दौरान मोनिका के मोबाइल पर लगातार वीडियो कॉल आने लगे। मृतका के भतीजे संयोग ने बार- बार के फोन से तंग आकर आखिर उसे उठाया तो सामने वीडियो कॉल पर पुलिस की वर्दी में एक व्यक्ति दिखा, जिसने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताते हुए मोनिका से बात कराने की मांग की और मना करने पर कार्रवाई की धमकी दी। इससे परिजनों को साइबर ठगी की आशंका हुई।

अलग-अलग नंबरों से कॉल, मैसेज और रिकॉर्डिंग

घर लौटने पर जब कमरे को छाना गया तो एक डायरी में रखा नोट मिला, जिसमें मोनिका ने एक अज्ञात युवक द्वारा लगातार फोन कर परेशान करने, ब्लैकमेल करने और धमकाने की बात लिखी थी। मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप पर पांच अलग-अलग नंबरों से कॉल, मैसेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग मिलीं। इनमें कुछ लोग खुद को अधिकारी बताकर डराते थे, तो कुछ महिला पर गंभीर आरोप लगाकर उसे मानसिक दबाव में डालते थे।

'सॉरी जिया,मम्मा को मरना ही पड़ेगा'

आखिर में मोनिका ने अपनी बेटी का नाम लेते हुए लिखा- 'सॉरी जिया.. मम्मा को मरना ही पड़ेगा.. उस लड़के ने परेशान कर रखा है आपकी मम्मा को।' इस मामले में रणधीर की शिकायत पर कोतवाली शहर थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सुसाइड नोट और मोबाइल डेटा के आधार पर जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। यह घटना साइबर अपराध के खतरनाक रूप को उजागर करती है, जहां डर और दबाव के जरिए लोगों को जाल में फंसाया जाता है।

शॉर्ट स्टोरी

नेपाली बहुएं भी बन जाएंगी बिहारी! जानें क्या है नागरिकता के नियम?

हिंदमाता नेटवर्क @ बगहा

भारत-नेपाल सीमा से जुड़े बिहार के सीमांचल इलाके में वर्षों से कायम 'बेटी-रोटी' के रिश्ते को अब कानूनी पहचान देने की दिशा में पहल तेज हो गई है। पूर्णिया जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिकों से विवाह कर भारत में रह रही नेपाली महिलाओं को भारतीय नागरिकता देने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। प्रशासन प्रखंड स्तर पर कैंप लगाकर महिलाओं को आवेदन प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी दे रहा है, जिससे की भारत में शादी कर रह ही नेपाली महिलाएं भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकें। सीमांचल के पूर्णियां, कटिहार, अररिया, किशनगंज, सुपौल, सहरसा और मधेपुरा जैसे जिलों में बड़ी संख्या में ऐसी नेपाली महिलाएं रह रही हैं, जिनकी शादी भारतीय युवकों से हुई है। वर्षों से भारत में रहने के बावजूद कई महिलाएं नागरिकता नहीं मिलने के कारण सरकारी योजनाओं और अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। अब केंद्र सरकार के प्रावधानों के तहत उन्हें भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने का अवसर दिया जा रहा है। नेपाल से शादी करके सीमांचल आई कई महिलाएं इस बार एसआईआर के जद में आ गई थी, क्योंकि शादी करके आई महिलाओं के माता-पिता का डाक्यूमेंट्स नेपाल से जुड़ा हुआ था। पूर्णिया के जिलाधिकारी अंशुल कुमार के मुताबिक, जिन नेपाली महिलाओं की शादी भारतीय नागरिक से हुए सात वर्ष या उससे अधिक समय हो चुका है। वह भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा और निर्धारित शुल्क जमा 1000 रुपये जमा करना होगा। आवेदन के समय विवाह प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, पासपोर्ट और पति की भारतीय नागरिकता से जुड़े दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

सिवान में पूर्व MLC के भांजे की गोली मारकर हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

बिहार के सिवान जिले में रोड रेज की एक घटना ने हिलाकर रख दिया है। टाउन थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर ओवरब्रिज के पास बुधवार शाम एक मामूली सड़क विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में भाजपा नेता और पूर्व विधान पार्षद मनोज कुमार सिंह के भांजे हर्ष कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई, वहींउनके पिता चंदन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, चंदन सिंह अपने बेटे हर्ष के साथ एक तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। वे रास्ते में अपने अन्य परिजनों का इंतजार कर रहे थे, तभी उनकी कार की दूसरी गाड़ी से हल्की टक्कर हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ता गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने अचानक हथियार निकाल लिए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में हर्ष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं चंदन सिंह को भी गोली लगी, जिससे उनकी हालत नाजुक हो गई। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और वह घायल हो गया। घायल आरोपी को इलाज के लिए पटना भेजा गया है। इस वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि परिजनों की लिखित शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

नोएडा में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर हाई अलर्ट

धारा-163 लागू, ड्रोन से चप्पे-चप्पे की निगरानी

हिंदमाता नेटवर्क @ गौतमबुद्ध नगर

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए जिले को 11 जोन और 49 सेक्टर में बांट दिया है। नोएडा जोन को 4 जोन और 16 सेक्टर, सेंट्रल नोएडा को 3 जोन और 24 सेक्टर, जबकि ग्रेटर नोएडा को 4 जोन और 9 सेक्टर में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए 6 SP, 14 एडिशनल SP, 30 ACP और 65 इंस्पेक्टरों समेत लगभग 1500 पुलिसकर्मियों और 10 कंपनी PAC को तैनात किया गया है। 50 से अधिक संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

धारा 163 लागू, इन चीजों पर रहेगा प्रतिबंध

पुलिस प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 को 30 अप्रैल से 8 मई तक प्रभावी कर दिया है। इसके तहत किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ खड़े होने और बिना अनुमति जुलूस निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों के एक किलोमीटर के दायरे में बिना इजाजत ड्रोन उड़ाने या वीडियो शूट करने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस मीडिया सेल के अनुसार, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत पुलिस बल द्वारा जिले के विभिन्न संवेदनशील इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जनता के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करना और उपद्रवियों को कड़ा संदेश देना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पूरी तरह पालन करें और शहर में शांति बनाए रखे।

कानपुर में 'डिजिटल अरेस्ट' गैंग का पर्दाफाश, 125 करोड़ की ठगी की

8 आरोपी दबोचे गए

हिंदमाता नेटवर्क @ बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसने डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर देशभर के लोगों से लगभग 125 करोड़ रुपये ठग लिए थे। पुलिस ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड सहित 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे खेल में चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि इसमें कई प्रतिष्ठित बैंकों के कर्मचारी भी शामिल थे, जो कमीशन के लालच में फर्जी अकाउंट्स संचालित करवा रहे थे। कानपुर पुलिस आयुक्त के द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना बर्रा पुलिस को सटीक सूचना मिली कि एच ब्लॉक पेट्रोल पंप के पास प्राइमरी स्कूल के निकट कुछ संदिग्ध व्यक्ति किसी बड़ी वारदात की फिराक में हैं। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके से तीन संदिग्ध लोगों को पकड़ा, जब उनसे कड़ाई से पूछताछ की गई, तो साइबर फ्रॉड की ऐसी परतें खुली कि अधिकारी भी दंग रह गए।

8 ठग अरेस्ट

इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गैंग के कुल 8 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सोनू शर्मा, सतीश पांडेय, साहिल विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह, तनिष गुप्ता, अमित सिंह, अमित कुमार और आशीष कुमार के रूप में हुई हैं। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह चार चरणों में ठगी की वारदात को अंजाम देता था। बैंकों में सेंधः इसमें आरोपी यूपी ग्रामीण बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, एक्सिस बैंक और यूको बैंक जैसे संस्थानों के भ्रष्ट कर्मचारियों को 5 से 10 प्रतिशत कमीशन का लालच देकर अपने साथ मिलाते थे।

करोड़ों की ट्रांजेक्शन के मिले सबूत

प्रारंभिक जांच में पुलिस को दो मुख्य बैंक आकाउंट से 53 करोड़ और 66 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन के प्रमाण मिले हैं। इसके अलावा एक अन्य खाते से 5 करोड़ का ट्रांजेक्शन पाया गया है। नवी मुंबई के एक मामले में भी इसी गैंग के द्वारा 58 करोड़ रुपये की ठगी का लिंक मिला है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें ठगी के डेटा और बैंक कर्मियों से बातचीत के सबूत मौजूद हैं।

शादी में इतनी जोर से बजा DJ पर गाना, मर गईं 140 मुर्गियां

पोल्ट्री फॉर्म मालिक ने करवाई FIR

हिंदमाता नेटवर्क @ लखीमपुर

शादियों में डीजे का शोर आम बात है, लेकिन सुल्तानपुर के बल्दीराय थानाक्षेत्र में यही शोर मौत का सबब बन गया। दरियापुर गांव में एक बारात के दौरान बज रहे डीजे की तेज आवाज के चलते एक पोल्ट्री फार्म की 140 मुर्गियों की मौत हो गई। इस अजीबोगरीब मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। दरियापुर गांव के रहने वाले बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी 25 अप्रैल को थी। बारात कुड़वार के राम भद्र पुरवा गांव से आई थी। बारात में डीजे पूरी धमक के साथ बज रहा था। जब यह बारात साबिर अली के पोल्ट्री फार्म के सामने से गुजरी, तो संगीत की आवाज इतनी तेज थी कि फार्म के अंदर मुर्गियों में अफरा-तफरी मच गई। फार्म संचालक साबिर अली के मुताबिक, डीजे की कंपन और कानफोड़ू आवाज के चलते मुर्गियां दहशत में आ गईं। देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। साबिर का आरोप है कि उन्होंने डीजे की आवाज कम करने की विनती भी की थी, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई।

50 हजार का इनामी, जिम में ट्रिपल मर्डर बुलंदशहर में कुख्यात बदमाश जीतू सैनी एनकाउंटर में ढेर

हिंदमाता नेटवर्क @ बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा में पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी का एनकाउंटर कर दिया है। स्वाट टीम, खुर्जा नगर थाना और अनूपशहर थाने पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस को देखते ही 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश जीतू सैनी गोली चलाने लगा। ऐसे में पुलिस को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। गोली लगने से जीतू घायल हो गया था, जिसे बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, सुबह के समय टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान धराऊ चौकी, थाना खुर्जा देहात के पास स्कूटी सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी और मौके से भागने लगे। अचानक हुई इस गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की

पुलिस ने दोनों बदमाशों का पीछा किया और कुछ दूरी पर झाझर रोड के पास उन्हें घेर लिया। खुद को चारों तरफ से घिरा देख बदमाशों ने फिर से पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें एक बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। घायल बदमाश की पहचान जीतू सैनी पुत्र सुभाष सैनी, निवासी मोहल्ला पंजाबियान, थाना खुर्जा नगर के रूप में हुई। उसे तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम के कुछ जवान भी घायल हुए। स्वाट टीम प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद असलम और थाना अनूपशहर के हेड कांस्टेबल मोहित कुमार को गोली लगने से चोटें आईं। वहीं खुर्जा नगर थाना प्रभारी रामफल सिंह और स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल कपिल नैन के बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी, जिससे उनकी जान बच गई।

मौके से पिस्टल और कारतूस बरामद

पुलिस ने मौके से एक अवैध .32 बोर पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस, 14 खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक एक्टिवा स्कूटी बरामद की है। बताया जा रहा है कि जीतू सैनी 25-26 अप्रैल 2026 की रात खुर्जा नगर के सुभाष रोड स्थित एक जिम में हुई तिहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। जन्मदिन पार्टी के दौरान केक चेहरे पर लगाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक हो गया था, जिसमें अमरदीप सैनी, मनीष सैनी और आकाश सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

प्यार, साजिश और मर्डर पत्नी के इशारे पर रची गई कहानी

प्रेमी और दोस्त के साथ मिलकर पति को रास्ते से हटाया

हिंदमाता नेटवर्क @ फिरोजाबाद

यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में 16 अप्रैल की शाम हुई एक हत्या ने जब पहली बार पुलिस पहुंची, तो मामला एक सामान्य आपराधिक वारदात जैसा लग रहा था। सड़क किनारे गोली से मारा गया एक युवक, कोई चश्मदीद नहीं, हमलावरों का कोई सुराग नहीं सब कुछ अंधेरे में था। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह कहानी एक साधारण हत्या से निकलकर रिश्तों, धोखे और साजिश की ऐसी परतों तक पहुंच गई, जिसने हर किसी को चौंका दिया। यह कहानी है गणेश त्रिपाठी की, जो अपने घर से रोज की तरह निकला था, लेकिन उसे नहीं पता था कि यह उसकी जिंदगी का आखिरी सफर होगा।

हिरासत में पत्नी, खुलने लगी परतें

पुलिस ने संध्या को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। शुरुआत में वह टालमटोल करती रही, लेकिन जब सख्ती से सवाल किए गए, तो कहानी का असली चेहरा सामने आने लगा। संध्या और पुरुषोत्तम के बीच लंबे समय से संबंध थे। दोनों एक-दूसरे के संपर्क में रहते थे और कई बार मिल भी चुके थे। यहां तक कि पुरुषोत्तम उससे मिलने जयपुर तक गया था। जांच में यह भी सामने आया कि घटना से कुछ समय पहले दोनों ने नए मोबाइल फोन और सिम कार्ड का इस्तेमाल शुरू किया था, ताकि उनकी बातचीत पर किसी को शक न हो।

शाम का वह सफर, जो मौत में बदल गया

16 अप्रैल की शाम, नीमचेनी गांव का रहने वाला गणेश त्रिपाठी घर से निकला था। घरवालों को उसने बताया कि वह तेल लेने जा रहा है और कुछ देर में लौट आएगा। न कोई खतरे का अंदेशा, न कोई अनहोनी की आशंका। लेकिन जब गणेश वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में उसे रोक लिया गया। सामने दो लोग थे पहचान के या अनजान, यह कहना मुश्किल था। इससे पहले कि गणेश कुछ समझ पाता, 315 बोर के तमंचे से गोली चलाई गई। गोली लगते ही गणेश जमीन पर गिर पड़ा। हमलावर मौके से फरार हो गए।

जेल में बनी थी जोड़ी

जांच में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। पुरुषोत्तम और प्रवेश की मुलाकात पहले जेल में हुई थी। पुरुषोत्तम पहले भी एक डबल मर्डर केस में जेल जा चुका था, जबकि प्रवेश दहेज हत्या के मामले में बंद रहा था। वहीं दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाहर आने के बाद भी संपर्क बना रहा। यही दोस्ती बाद में इस साजिश का हिस्सा बन गई। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल तमंचा, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

मोबाइल लोकेशन से खुला पहला राज

जांच के दौरान पुलिस ने गणेश के मोबाइल और उसके संपर्कों को खंगालना शुरू किया। इसी दौरान एक अहम सुराग हाथ लगा। पता चला कि गणेश की पत्नी संध्या त्रिपाठी लगातार एक व्यक्ति पुरुषोत्तम बाजपेई के संपर्क में थी। दोनों के बीच खूब बातचीत होती थी । यहीं से पुलिस का शक गहराया।

बेटे के 'हत्यारे' पिता को उम्रकैद, खाना खाते हुए काट डाला था गला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंगेर

बिहार के बेगूसराय में खाना खाते समय बेटे की गला रेत कर हत्या करने के आरोपी पिता को उसकी पत्नी, बहू और छोटे बेटे की गवाही पर कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी के खिलाफ उसकी पत्नी, बेटा और पुत्रवधू ने न्यायालय में गवाही दी जिसके बाद न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है जो एक उदाहरण बनकर सामने आया है। दरअसल, तेघरा थाना क्षेत्र के पीढौली गांव में 9 जून 2019 में खाना खाने के समय आलोक कुमार को उसके पिता सुधीर सिंह ने गला रेत कर मार डाला था। हत्या मामले में कोर्ट ने उसके पिता सुधीर सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। जिला प्रधान सत्र न्यायाधीश (जिला जज) ऋषिकांत ने पिता को धारा 302 में दोषी पाकर आजीवन कारावास के साथ 15 हजार जुर्माना की सजा सुनाई है। मृतक की पत्नी आभा कुमारी ने मुकदमा दर्ज कराया था कि जमीन बेचने से रोकने पर ससुर ने मेरे पति को घास काटने वाले कचिया हंसुआ से गला काटकर मार डाला था और सबके सामने फरार हो गए। बाद में 20 जून 2019 को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। लोक अभियोजक संतोष कुमार ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय ऋषिकांत के न्यायालय में सत्र वाद संख्या- 371/21 में आज सजा सुनाई गई है। मृतक की पत्नी आभा कुमारी का कहना था कि ससुर सुधीर कुमार ताड़ी-दारू पीते थे और पीकर के जमीन बेचते थे। इस बात पर उनके परिवार के लोगों ने मना किया और खरीददार को भी जाकर कहा कि आप यह जमीन इनसे मत लिखाइए। 9 जून को आलोक कुमार उर्फ सचिन भूंजा खा रहा था। इसी दौरान सुधीर कुमार ने गला उसकी काटकर हत्या कर दी। सबसे आश्चर्यजनक विषय यह रहा कि इस हत्या के मामले में मृतक की मां नूतन देवी ने भी साक्ष्य दिया और अपने पति पर आरोप लगाया कि मेरे पति ने ही हत्या किया है।

हिंदमाता एंकरः अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजे के दावों का निपटारा आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता

आयोग नहीं, जिला प्रशासन करेगा मुआवजे का फैसला, कुंभ भगदड़ पर HC सख्त

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ मेला 2025 की भगदड़ से जुड़े मुआवजे के दावों पर निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों या उनके आश्रितों द्वारा दायर मुआवजे के दावों पर निर्णय लेने का अधिकार न्यायिक जांच आयोग का नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण का है। मेलाधिकारी को मुआवजे के दावों पर 30 दिनों के अंदर फैसला करना होगा। यह आदेश जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस सत्य वीर सिंह की डिवीजन बेंच ने संजय कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ में एक रिश्तेदार की मृत्यु पर मुआवजे की मांग की गई थी। अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजे के दावों का निपटारा आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग का कार्य केवल घटना के कारणों की जांच करना भविष्य के लिए सुझाव देना और प्रशासनिक समन्वय की समीक्षा करना है।

मुआवजे को लेकर कोर्ट के निर्देश

कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने न तो भगदड़ की घटना से इनकार किया और न ही इस तथ्य से कि कुछ पीड़ितों के परिवारों को पहले ही मुआवजा दिया जा चुका है। कोर्ट ने कहा कि जब राज्य खुद घटना और नुकसान को स्वीकार कर चुका है तो आयोग द्वारा इस बात की जांच करना आवश्यक नहीं है कि भगदड़ हुई थी या नहीं। मुआवजे की प्रक्रिया को सरल और स्पष्ट बनाने के लिए अदालत ने कुछ दिशा-निर्देश तय किए।

जानें कोर्ट ने क्या-क्या दिए निर्देश

मुआवजे का हर दावा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के सामने किया जाना चाहिए, स्टेट ज्यूडिशियल कमीशन के सामने नहीं।दावों के मामले पर फैसला करते समय, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (मेला)/मेलाधिकारी को 29 .01 .2025 को भगदड़ के दौरान किसी व्यक्ति की मौत या प्रॉपर्टी के नुकसान के फैक्ट्स को वेरिफाई करना होगा। हर मामले में मेलाधिकारी के सामने रखे गए मटीरियल की जांच करनी होगी, ताकि यह पता चल सके कि ऐसी मौत उस दिन, यानी मौनी अमावस्या को हुई थी। पेश किए गए रिकॉर्ड, पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच रिपोर्ट जैसे डॉक्यूमेंट और हॉस्पिटल के चीफ मेडिकल ऑफिसर/मेडिकल सुपरिटेंडेंट द्वारा तैयार पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को बिना किसी विवाद वाला मटीरियल डॉक्यूमेंट माना जाएगा, जब तक कि भगदड़ के दौरान मौत का पता लगाने के मकसद से वैलिड उलटे सबूतों से उन पर विवाद न हो। मेलाधिकारी को मुआवजे के दावे के मामले में, दावा पेश होने के 30 दिनों के अंदर आखिरी फैसला लेना होगा। जहां तक ज्यूडिशियल कमीशन की जाँच का सवाल है, वह सिर्फ पॉइंट (i) और (ii) से जुड़ी होगी, और आम तौर पर क्लॉज (iii) के लिए होगी, अलग-अलग मामलों में नहीं। कमीशन के सामने मृतक के आश्रितों द्वारा दिए गए बयान, सिर्फ़ टर्म्स ऑफ़ रेफरेंस पॉइंट (iii) के संदर्भ में होंगे, न कि मुआवजे के लिए अलग-अलग दावों की याचिकाओं को तय करने के लिए। मौजूदा मामले के बारे में, बेंच ने कहा कि एक SI द्वारा तैयार की गई मृतक की एक इन्क्वेस्ट रिपोर्ट है और साथ ही मेडिकल ऑफिसर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी है और इन डॉक्यूमेंट्स को इसके उलट कोई ठोस सबूत देकर विवादित नहीं किया गया है। इसलिए, बेंच ने मेलाधिकारी को तीन हफ्ते के अंदर फ़ैसला लेने और अगली तारीख (7 मई) तक कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया।

J-K को पाक में दिखाया..

गलती करने के बाद नेपाल एयरलाइंस ने मांगी माफी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नेपाल एयरलाइंस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमारे सोशल मीडिया चैनलों पर हाल ही में शेयर किए गए नेटवर्क मैप में हुई गलती के लिए हम तहे दिल से माफी मांगते हैं। इस मैप में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को लेकर नक्शे से जुड़ी कई बड़ी गलतियां थीं। यह विवाद गुरुवार को तब शुरू हुआ, जब एयरलाइन के सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक रूट मैप और प्रमोशनल विज्ञापन शेयर किया गया। इस ग्राफिक में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेशों को भारत के बजाय पाकिस्तान के हिस्से के तौर पर दिखाया गया था। भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव ने कहा है कि भारत के नक्शे के साथ छेड़छाड़ करना नेपाल एयरलाइंस की तरफ से जान-बूझकर किया गया काम था। इसको लेकर उन्होंने सवाल उठाए और इस पर स्पष्टीकरण मांगा है। खेसारी ने लिखा, माय डियर नेपाल एयरलाइंस, पोस्ट डिलीट करके भाग जाने से काम नहीं चलेगा। जबाब देना पड़ेगा, माफी मांगिए या फिर मंशा बताइए कि क्यों ऐसा किए ? उन्होंने कहा कि इतना शांत और अच्छा पड़ोसी आखिर किस मजबूरी में ऐसा गलती करने लगा?

भारत ने सालों से मदद की है

भारतीयों ने गलत मैप को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नेपाल और नेपाल एयरलाइंस से सवाल पूछे। नेपाल पर निशाना साधते हुए एक X यूजर ने कहा कि भारत ने सालों से नेपाल की इकॉनमी को चलाते हुए, नेपालियों को नौकरी देकर और उन्हें फ्यूल, पावर प्रोजेक्ट और आपदा राहत में मदद करके मदद की है। होर्मुज स्ट्रेट के आस-पास तनाव और ईरान में चल रहे संघर्ष के कारण क्षेत्रीय व्यापार पहले से ही प्रभावित हो रहा है, ऐसे में भारत और नेपाल ऊर्जा मार्गों को सुरक्षित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।यह घटना 2025 में हुई एक ऐसी ही विवादित घटना के कुछ ही समय बाद सामने आई है, जब इजराइली सेना ने गलती से एक गलत नक्शे का इस्तेमाल किया था, जिसे बाद में उन्होंने तुरंत सुधार लिया था। नेपाल एयरलाइंस का ये पोस्ट उसकी मुश्किलें बढ़ा सकती है। क्योंकि नेपाल एयरलाइन अपने विमानों के बेड़े का विस्तार करने और दिल्ली व बेंगलुरु जैसे शहरों के लिए और उड़ान ज्यादा नें शुरू करने की अपनी 8 अरब रुपये की योजना पर मंजूरी मिलने का इंतजार कर रही है।

ईरान का 440 किलो यूरेनियम अपने पास रखने को तैयार रूस

ट्रंप राजी नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ईरान और अमेरिका के बीच झगड़ा सुलझाने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वाशिंगटन को बड़ा ऑफर दिया है। बुधवार (29 अप्रैल) को फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप से कहा कि हम 440 किलो संवर्धित यूरेनियम रख लेते हैं, जिससे परमाणु हथियार का मुद्दा हमेशा के लिए सुलझ जाएगा। बातचीत के इस हिस्से का खुलासा ब्रिटिश अखबार द डेली मेल ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने कहा कि इसे रूस को शिफ्ट कर दिया जाए। ईरान भी इस पर सहमत हो जाएगा। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन के इस ऑफर को सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा कि संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका शिफ्ट करना ही एकमात्र समाधान है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्थान के मुताबिक ईरान के पास वर्तमान में 60 प्रतिशत तक संवर्धित 440 किलो यूरेनियम है। ईरान इसे 90 प्रतिशत तक संवर्धित करना चाहता है। इसके बाद ईरान 11 परमाणु हथियार आसानी से बना सकता है।

पुतिन से मिले थे अब्बास अराघची

व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप को यह ऑफर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के बाद दिया है। इसी हफ्ते अराघची ने पुतिन से मुलाकात की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि ईरान रूस को संवर्धित यूरेनियम सौंपने को लेकर राजी है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ईरान ने इसको लेकर कुछ नहीं कहा है। ईरान को रूस का सहयोगी देश माना जाता है। रूस पर ईरान को परमाणु कार्यक्रम के लिए वित्तपोषित करने का भी आरोप लगता रहा है। ईरान और रूस अहम रक्षा साझेदार भी है।

पुतिन-ट्रंप के बीच और क्या-क्या बातें हुईं?

क्रेमलिन के मुताबिक पुतिन ने ईरान पर फिर से हमले को लेकर ट्रंप को चेतावनी दी। पुतिन का कहना था कि इससे जंग का दायरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। पुतिन ने बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैंने पुतिन से यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कहा है। ट्रंप के मुताबिक जल्द ही पुतिन सीजफायर की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, यह युद्धविराम थोड़े दिनों के लिए ही होने वाला है। दरअसल, रूस 9 मई को विक्ट्री डे परेड निकाल रहा है। इस दिन उसकी कोशिश सीजफायर करने की है। पुतिन और ट्रंप के बीच इसके अलावा व्यापार में तरक्की को लेकर भी बात हुई है। दोनों नेता ने संबंध को बेहतरीन करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई।

बिजनेस वर्ल्ड

महिला बॉस पर जूनियर को ड्रग्स देकर यौन शोषण का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दुनिया के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित बैंकों में से एक, जेपी मॉर्गन चेस से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कॉरपोरेट जगत की चकाचौंध और ऊंचे पैकेजों के पीछे सत्ता और पद के दुरुपयोग की एक ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है, जो किसी को भी हैरान कर सकती है। जेपी मॉर्गन के एक जूनियर पुरुष कर्मचारी ने अपनी सीनियर महिला बॉस पर यौन शोषण, ड्रग्स देने और नस्लभेदी टिप्पणियां करने का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। न्यूयॉर्क काउंटी सुप्रीम कोर्ट में दायर एक मुकदमे के अनुसार, यह पूरी घटना 2024 के शुरुआती महीनों में शुरू हुई। पीड़ित, जिसे सुरक्षा कारणों से 'जॉन डो' नाम दिया गया है, एक एशियाई मूल का सीनियर वीपी/डायरेक्टर है। वहीं, आरोपी महिला लॉर्ना हजदिनी (37) बैंक के लीवरेज्ड फाइनेंस डिवीजन में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर तैनात थीं। शिकायत में कहा गया है कि साथ काम शुरू करने के कुछ ही समय बाद, हजदिनी ने पीड़ित के साथ अनुचित व्यवहार करना शुरू कर दिया। शुरुआत डेस्क के पास जानबूझकर पेन गिराने और पीड़ित को अनुचित तरीके से छूने से हुई। जब पीड़ित ने इन हरकतों का विरोध किया और उनके निमंत्रणों को ठुकराया, तो महिला बॉस ने उसके करियर को बर्बाद करने की धमकियां देनी शुरू कर दीं। उसने पीड़ित से साफ कहा कि वह उसे 'खरीद' चुकी है। जैसे-जैसे समय बीता, हालात और बदतर होते गए। मुकदमे के दस्तावेज बेहद विचलित करने वाले दावों से भरे हैं। पीड़ित का आरोप है कि महिला बॉस ने उसे कई बार बिना बताए 'रूफीज' (डेट-रेप ड्रग) जैसी दवाइयां दीं ताकि वह उसका शारीरिक शोषण कर सके। एक घटना का जिक्र करते हुए बताया गया है कि गर्मियों में हजदिनी जबरन उस अपार्टमेंट में पहुंच गई जहां पीड़ित ठहरा हुआ था। वहां उसने पीड़ित की एशियाई पत्नी पर भद्दी नस्लभेदी टिप्पणी की और उसके विरोध करने व रोने के बावजूद उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

मिडिल ईस्ट संकट के बाद भी भारत में नहीं होगी यूरिया की कमी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बावजूद घरेलू यूरिया उत्पादन मार्च-अप्रैल में 37.49 लाख टन रहा, जो पिछले साल के लगभग बराबर है। साथ ही खरीफ सत्र से पहले कमी को पूरा करने के लिए 37 लाख टन यूरिया आयात भी सुनिश्चित किया गया है। सरकार ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मार्च-अप्रैल के दौरान कुल घरेलू उर्वरक उत्पादन 62.37 लाख टन रहा जबकि आयात 15.39 लाख टन था। पश्चिम एशिया पर जानकारी देने के लिए अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस। शर्मा ने कहा, संकट के बाद भी उर्वरकों का घरेलू उत्पादन और आयात मजबूत बना हुआ है। इस अवधि में लगभग 78 लाख टन उर्वरक की उपलब्धता बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि भारत ने मार्च में 16.49 लाख टन और अप्रैल में 21 लाख टन यूरिया का उत्पादन किया, जिससे कुल उत्पादन 37.49 लाख टन हो गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के लगभग बराबर है। यूरिया की कमी को आयात के जरिये पूरा किया जा रहा है। शर्मा के मुताबिक हमने वैश्विक निविदा जारी कर लगभग 37 लाख टन यूरिया सुनिश्चित किया है। मार्च-अप्रैल में डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) का घरेलू उत्पादन 4.79 लाख टन, एनपीके (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाशियम) 12.69 लाख टन और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) 7.40 लाख टन रहा। फॉस्फेटिक उर्वरकों के लिए 19 लाख टन की वैश्विक निविदा भी जारी की गई है और कच्चे माल की उपलब्धता की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है और आपूर्ति मांग से अधिक है। खरीफ 2026 के लिए 390.45 लाख टन की आवश्यकता के मुकाबले मौजूदा भंडार 193.38 लाख टन है जो कुल जरूरत का लगभग 50 प्रतिशत है। यूरिया की उपलब्धता 73.81 लाख टन और डीएपी की 23.47 लाख टन है जबकि अन्य उर्वरक भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहतर योजना, अग्रिम भंडारण और कुशल लॉजिस्टिक का परिणाम है। राज्यों में आपूर्ति की स्थिति मजबूत बनी हुई है। साथ ही उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अफगानिस्तान से दोस्ती क्यों बढ़ा रहा ब्रिटेन और रूस?

बंद दरवाजे के पीछे के खेल को समझिए

हिंदमाता नेटवर्क @ ब्रिटेन

अरब में तनाव और ईरान युद्ध के खतरे के बीच ब्रिटेन और रूस जैसे देशों ने अफगानिस्तान का रुख किया है। बुधवार को ब्रिटेन और रूस के दूतों ने काबुल में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी से मुलाकात की। 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद पहली बार पी-2 देशों के दूत एक ही दिन काबुल में अफगानिस्तान के साथ बैठक करने पहुंचे थे। इस मुलाकात को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि अफगानिस्तान इस समय दो मोर्चों पर बुरी तरह घिरा हुआ है। एक तरफ पाकिस्तान उस पर हमले कर रहा है, और दूसरी तरफ ईरान युद्ध के चलते उसकी दूसरी सीमा भी अशांत है। हालांकि, सवाल ब्रिटेन और रूस के नई स्ट्रैटजी को लेकर है। आखिर दोनों देशों ने 4 साल बाद अफगानिस्तान का रूख क्यों किया है? रूस ने कुछ महीने पहले तालिबान को मान्यता देने की घोषणा की थी।

तालिबान से दोस्ती क्यों बढ़ा रहा ब्रिटेन?

ब्रिटेन की सबसे बड़ी समस्या अफगानिस्तान के शरणार्थी हैं। 2021 में तालिबान की सरकार आने के बाद करीब 85 हजार अफगानी लंदन और उसके आसपास बस गए। ब्रिटेन पर इन शरणार्थियों को वापस भेजने का दबाव है। ब्रिटेन सरकार के गृह मंत्री ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि हम जल्द ही इसको लेकर तालिबान सरकार से बात करेंगे। ब्रिटेन की कोशिश है कि इन शरणार्थियों को किसी भी तरह अफगानिस्तान भेज दिया जाए। इसी को लेकर बुधवार को काबुल में स्टार्मर के दूत अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से मिले थे।

अफगानिस्तान पर रूस की नजर क्यों है?

1989 से पहले तक अफगानिस्तान पर रूस का कंट्रोल था, लेकिन सोवियत-अफगान वार के दौरान रूस को यहां से जाना पड़ा। इसके बाद तालिबान की सरकार आई। 2001 में अमेरिका पर हमले के बाद वाशिंगटन ने तालिबान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसके बाद अमेरिका तालिबान का दुश्मन हो गया। तालिबान ने 20 साल की लड़ाई के बाद 2021 में अमेरिका को पस्त कर दिया। इसके बाद तालिबान नया दोस्त तलाश रहा है। रूस की कोशिश उससे दोस्ती बढ़ाने की है। अफगानिस्तान को खनिज संपन्न देश माना जाता है। अनुमान के मुताबिक उसके पास करीब 1.4 मिलियन टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। तालिबान के पास तांबे और सोने का भी भंडार है। अफगानिस्तान की जियोग्राफी भी उसकी एक अहम ताकत है। अफगानिस्तान एशिया के सेंटर में स्थित है। इसके जरिए चीन, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशिया के देशों में आसानी से पहुंचा जा सकता है।

ईरान को लेकर दोनों देशों का अमेरिका से पंगा

अमेरिका की नजर ईरान पर है। यहां तख्तापलट के लिए उसने जंग छेड़ दी है। हालांकि, अब तक अमेरिका को इसमें सफलता नहीं मिल पाई है। दूसरी तरफ रूस और ब्रिटेन ईरान को लेकर अमेरिका के रुख का विरोध कर रहा है। इन देशों को डर है कि अगर कहीं अमेरिका ने ईरान पर कंट्रोल कर लिया, तो पश्चिम एशिया में इनकी मुसीबत बढ़ सकती है। इसलिए दोनों ने अभी से अफगानिस्तान को साधने की कवायद शुरू कर दी है। क्योंकि ईरान के पड़ोस में जो भी देश हैं—जैसे पाकिaस्तान, अज़रबैजान और आर्मेनिया—वे सभी अमेरिका के करीबी हैं।

'खाड़ी में आए तो समंदर में ही दफन कर देंगे'

मोजतबा खामेनेई की US को सीधी धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका को तीखी चेतावनी देते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने साफ कह दिया है कि अब खाड़ी इलाके की सुरक्षा ईरान खुद करेगा। मोजतबा ने सरकारी टीवी पर अपना संदेश जारी करते हुए सीधे शब्दों में कहा कि इस समुद्री रास्ते में अब दुश्मन की मनमानी और दखलंदाजी बिल्कुल नहीं चलेगी और इसे पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने दो टूक चेतावनी दी कि 'फारस की खाड़ी में हरकत करने वाले बाहरी लोगों के लिए यहां कोई जगह नहीं है और जो बाज नहीं आया, उसे सीधे समंदर की गहराई में दफन कर दिया जाएगा।' मोजतबा का यह संदेश ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया, जिसमें नाकाबंदी हटाने की मांग की गई थी।

नए सिस्टम से शांति लाने का दावा

खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि खाड़ी और होर्मुज के लिए अब एक नया दौर शुरू हो रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस इलाके के नए सिस्टम से न केवल शांति आएगी, बल्कि आसपास के देशों को आर्थिक फायदा भी मिलेगा। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि फारस की खाड़ी में अमेरिका की मौजूदगी ही असुरक्षा की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अमेरिका के ठिकाने जब खुद की सुरक्षा नहीं कर पा रहे, तो वे दूसरों को क्या सुरक्षा देंगे। खास बात ये है कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान पहले ही अमेरिका और इजरायल के हमलों का जवाब देने के लिए खाड़ी में कई कार्रवाइयां कर चुका है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से ईरान के तेल कारोबार पर भी भारी दबाव बना हुआ है।

मुकेश अंबानी ने खरीदी प्रियंका चोपड़ा की ये कंपनी, किया बड़ा ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रिलायंस रिटेल ने एक बड़ा और अहम कदम उठाते हुए एक्ट्रेस और आंत्रप्रेन्योर प्रियंका चोपड़ा जोनस के ग्लोबल हेयरकेयर ब्रांड एनॉमली को खरीद लिया है। इस डील के साथ रिलायंस ने अपने ब्यूटी और पर्सनल केयर कारोबार को और मजबूत करने की दिशा में तेजी दिखाई है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि इस खरीद में एनॉमली के ट्रेडमार्क, ब्रांड से जुड़े सभी अधिकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसका मतलब है कि अब इस ब्रांड का पूरा मालिकाना हक रिलायंस रिटेल के पास होगा। हालांकि इस डील की कीमत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। रिलायंस रिटेल का कहना है कि वह अब एनॉमली को अपने बड़े रिटेल नेटवर्क और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए तेजी से आगे बढ़ाएगा। इसमें कंपनी का ब्यूटी प्लेटफॉर्म Tira भी शामिल है, जिसके जरिए ग्राहक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से खरीदारी कर सकते हैं। एनॉमली ब्रांड की शुरुआत साल 2021 में प्रियंका चोपड़ा ने की थी। यह ब्रांड खास तौर पर ऐसे हेयरकेयर प्रोडक्ट्स बनाता है जो केमिकल-फ्री और वीगन होते हैं। इनकी कीमत भी आम लोगों की पहुंच में रखी जाती है। लॉन्च के बाद से ही इस ब्रांड ने कई देशों में अपनी पहचान बना ली है। रिलायंस की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा कि अनोमली को अपने पोर्टफोलियो में शामिल करना कंपनी के लिए एक स्ट्रैटेजिक फैसला है। उन्होंने बताया कि यह ब्रांड अपनी अच्छी क्वालिटी, सही कीमत और ग्लोबल पहचान के कारण ग्राहकों को काफी पसंद आ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मिलकर इस ब्रांड को भारत में तेजी से बढ़ाया जाएगा। कंपनी अपने डेटा और ग्राहकों की समझ का इस्तेमाल करके इसे और बेहतर बनाएगी, साथ ही इंटरनेशनल मार्केट में भी इसकी पकड़ मजबूत करेगी। रिलायंस रिटेल ने साफ किया कि अब अनोमली के लिए भारत सबसे बड़ा फोकस मार्केट होगा। कंपनी भारतीय लोगों के बालों और स्कैल्प की जरूरतों के हिसाब से नए प्रोडक्ट भी तैयार करेगी। इसके अलावा ब्रांड को उत्तर अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और मिडिल ईस्ट जैसे बाजारों में भी बढ़ाया जाएगा। प्रियंका चोपड़ा इस ब्रांड से जुड़ी रहेंगी और क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में काम करेंगी। वह प्रोडक्ट डिजाइन, नए आइडिया और ब्रांड की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। प्रियंका ने कहा कि यह अनोमली के लिए एक बड़ा मोड़ है। उन्होंने बताया कि यह ब्रांड उनकी एक निजी सोच से शुरू हुआ था, जो अब एक ग्लोबल पहचान बन चुका है। रिलायंस के साथ जुड़ने से यह ब्रांड और ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा।

कनाडा में दिलजीत के कॉन्सर्ट में बवाल

गार्ड से भिड़े पन्नू के आतंकी

हिंदमाता नेटवर्क @ ओटावा

कनाडा के वैंकूवर में दिलजीत दोसांझ का औरा-2026 नाम का म्यूजिक कॉन्सर्ट चल रहा था। हजारों प्रशंसकों की भीड़ के बीच अचानक कुछ प्रदर्शनकारी अंदर घुस आए और नारेबाजी शुरू कर दी। इन लोगों ने दिलजीत पर बीजेपी और RSS का एजेंट होने के आरोप लगाए। सूत्रों के अनुसार, हंगामा करने वालों में पवनदीप सिंह बस्सी और मनदीप सिंह रवि नाम के व्यक्ति शामिल हैं। इन दोनों का संबंध भारत में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस'से बताया जा रहा है, जिसका प्रमुख भगोड़ा आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू है। जब सिक्योरिटी टीम ने इन प्रदर्शनकारियों को बाहर निकालने की कोशिश की, तो वे सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए। कुछ देर के लिए कॉन्सर्ट का माहौल तनावपूर्ण हो गया और संगीत का शोर नारेबाजी में बदल गया। हालांकि, सुरक्षाबलों ने स्थिति को काबू में कर लिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि वे भविष्य में भी दिलजीत के शो का विरोध जारी रखेंगे।

दिलजीत को बीजेपी-आरएसएस का एजेंट बताया

प्रदर्शनकारियों ने दिलजीत को बीजेपी-आरएसएस का एजेंट बताते हुए नारेबाजी की और सुरक्षाकर्मियों से भी भिड़ गए। इस घटना के बाद दिलजीत के आगामी शोज की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सूत्रों का कहना है कि इसकी मुख्य वजह प्रदर्शनकारियों ने आगे भी दिलजीत दोसांझ के शो में विरोध करने की चेतावनी दी है।

27 अप्रैल को हुआ था यह लाइव कॉन्सर्ट

दिलजीत दोसांझ इन दिनों कनाडा में हैं। 27 अप्रैल को उनका यह लाइव कॉन्सर्ट हुआ था। वहीं इस मामले में सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रिया भी सामने आ रही है। रेडिट पर इंडियन सोशल नामक एक यूजर्स ने लिखा- पन्नू चर्चा में बने रहने के लिए दिलजीत के लाइव कॉन्सर्ट में हंगामा करवा रहा है। दिलजीत के खिलाफ खालिस्तानी समर्थक पहले भी विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में पिछले साल उनके खिलाफ एक शो के दौरान विरोध प्रदर्शन हुआ था।

'तेल का एक भी कुआं नहीं फटा', 120 डॉलर हुआ क्रूड तो ईरान ने उड़ाया ट्रंप का मजाक!

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने अपने तेल निर्यात को निशाना बनाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का मजाक उड़ाया है। उसने होर्मुज स्ट्रेट में लागू अमेरिकी नाकेबंदी पर तंज करते हुए इसे पूरी तरह विफल बताया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगर गालिबाफ ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ईरान का तेल उत्पादन प्रभावित तो नहीं हुआ, उलटे तेल की कीमतें बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल हो गईं। दरअसल, ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के बीच 26 अप्रैल को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि 'तीन दिनों के भीतर 'बहुत शक्तिशाली' विस्फोट होगा और ईरान के तेल के कुएं फट जाएंगे।' ट्रंप की तय समयसीमा गुजरने के बाद गालीबाफ ने उनकी इस धमकी का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा, 'तीन दिन हो गए, कोई कुआं नहीं फटा। हम इसे 30 दिन तक भी बढ़ा सकते हैं और यहां से कुओं का लाइव प्रसारण भी कर सकते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'अमेरिकी प्रशासन को बेसेंट जैसे लोगों से इसी तरह की घटिया सलाह मिलती है, जो नाकेबंदी के सिद्धांत को आगे बढ़ाते हैं और तेल की कीमत को 120 डॉलर से ऊपर पहुंचा देते हैं। तेल की कीमतें अब 140 डॉलर तक जाएंगी। समस्या सिद्धांत नहीं, बल्कि सोच है।'

अमेरिकी का नाकेबंदी से ईरान के तेल निर्यात पर पड़ा है असर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ सीजफायर के बावजूद, उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है जिससे कोई भी कमर्शियल जहाज होर्मुज के जरिए न तो ईरान जा पा रहा है और न ही वहां से आ पा रहा है। इस नाकाबंदी ने ईरान के तेल निर्यात को भारी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान तेल न बेच पाने के कारण अपना उत्पादन घटा देगा। इससे उसका राजस्व भी गिर जाएगा या पाइपलाइनों और भंडारण में दबाव बढ़ने से बुनियादी ढांचे को नुकसान उठाने जैसे विकल्पों में से चुनना पड़ेगा। ईरान के बहुत से तेल कुओं में पानी इंजेक्शन तकनीक का इस्तेमाल होता है और इन कुओं का संचालन लगातार जरूरी होता है। अगर उनसे तेल निकालना बंद कर दिया जाए तो उन्हें स्थायी नुकसान हो सकता है या उत्पादन में लंबे समय की गिरावट आ सकती है। निर्यात बंद होने से ईरान की तेल भंडारण क्षमता तेजी से खत्म हो रही है। इस बीच उसने 30 साल से खाली और निष्क्रिय पड़े फ्लोटिंग टैंकर 'नाशा' को फिर से सक्रिय किया है। यह स्टोरेज समुद्र में है और अब ईरान अपना तेल वहां स्टोर करने जा रहा है। ट्रंप इस नाकेबंदी को तब तक जारी रखने के पक्ष में दिख रहे हैं जब तक ईरान के साथ स्थायी शांति समझौता नहीं हो जाता, ताकि बातचीत में चल रहे गतिरोध को खत्म किया जा सके। इस नाकाबंदी से ईरानी सरकार की आय और विदेशी मुद्रा का एक अहम स्रोत प्रभावित हुआ है, क्योंकि तेल शिपमेंट रोके या जब्त किए जा रहे हैं।

अब ATM से निकल सकेगा PF का पैसा, PM मोदी कर सकते हैं योजना की शुरुआत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है ।जल्द ही कर्मचारी भविष्य निधि (PF) का पैसा सीधे ATM के जरिए निकाला जा सकेगा ।इस नई सुविधा पर काम तेज़ी से चल रहा है, जिससे करोड़ों PF खाताधारकों को फायदा मिलने की उम्मीद है। कई सालों से चली आ रही कागजी पेचीदगियों से छुटकारा मिलने वाला है। पीएफ का पैसा निकालने के लिए ना तो सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ेंगे और ना ही कागजी पेचीदियों में उलझने की जरुरत होगी। केंद्र सरकार ऐसा सिस्टम लागू करने जा रही है जिससे तहत पीएफ का पैसा सीधे एटीएम से निकाला सकेगा। ये प्रक्रिया उतनी ही आसान होगी जितना जितना बैंक से पैसा निकालना। सूत्रों के मुताबिक इस योजना की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही शुरुआत करेंगे। इसे लेकर जितनी भी तकनीकी प्रक्रिया है उसे पूरा कर लिया गया है। इसे लेकर एटीएम मशीन में ड्राय और फाइनल रन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तकनीकी प्रक्रिया से जुडे अधिकारियों के मुताबिक पूरे सिस्टम को फूल प्रूफ बना दिया गया है। यानी पीएफ खाता आपके सामान्य अकाउंट की तरह होगा। ईपीएफओ 3.0 के तहत खातों को बैंकिंग गेटवे से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही हैजिससे किसी भी वक्त आप एटीएम या यूपीआई के जरिए सीधे पैसे निकाल सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए विशेष प्रकार के कार्ड जारी किए जा सकते हैं, जो सीधे PF खाते से जुड़े होंगे। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और निकासी प्रक्रिया में देरी की समस्या भी कम होगी। इस प्रकिया का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था। अब उम्मीद है कि इसे जल्द से जल्द अमल में लाया जा सकेगा। मौजूदा समय में PF निकालने के लिए सबसे आसान तरीका ऑनलाइन आवेदन है। इसके लिए खाताधारक को अपने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के जरिए EPFO के सदस्य पोर्टल पर लॉगिन करना होता है। इसके बाद ऑनलाइन सर्विसेज सेक्शन में जाकर क्लेम विकल्प चुनना होता है। यहां कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार फॉर्म का चयन कर सकते हैं—जैसे पूरा PF निकालने के लिए फॉर्म 19, आंशिक निकासी के लिए फॉर्म 31 और पेंशन फंड केलिए फॉर्म 10C।

हिंदमाता एंकर एक वक्त में मलिक रियाज की गिनती पाकिस्तान के टॉप उद्योगपतियों में होती थी। मलिक रियल स्टेट कारोबारी हैं और दुबई से अपने बिजनेस का संचालन करते हैं

UAE से बदला लेने की तैयारी, दुबई के इस अरबपति को अरेस्ट कर सकता है पाक

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच अदावतें बढ़ती जा रही हैं। यूएई का कर्ज चुकाने के बाद पाकिस्तान की सरकार दुबई के मशहूर अरबपति मलिक रियाज को गिरफ्तार करना चाहती है। इसके लिए पुलिस ने तैयारी भी शुरू कर दी है। मलिक रियाज मूल रूप से पाकिस्तान से ताल्लुक रखते हैं और उन पर अल-कादिर ट्रस्ट मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। पाकिस्तान की पुलिस ने मलिक को दुबई से वापस लाने के लिए इंटरपोल से संपर्क किया है। अल अरबिया के मुताबिक पाकिस्तान पुलिस ने इंटरपोल से मलिक की गिरफ्तारी में मदद देने के लिए कहा है। पुलिस का कहना है कि मलिक के खिलाफ पाकिस्तान की कोर्ट से एक गैर-जमानती वारंट जारी है।

कौन है अरबपति मलिक रियाज?

एक वक्त में मलिक रियाज की गिनती पाकिस्तान के टॉप उद्योगपतियों में होती थी। मलिक रियल स्टेट कारोबारी हैं और दुबई से अपने बिजनेस का संचालन करते हैं। इमरान खान की सरकार में उन्होंने पाकिस्तान में खूब निवेश किया था। कहा जाता है कि बहरिया टाउन प्रोजेक्ट के पीछे मलिक रियाज की ही कंपनी थी। रियाज की कुल संपत्ति 2 अरब डॉलर है। 2025 में यह खुलासा हुआ कि मलिक ने पूरे परिवार के साथ यूएई की नागरिकता ले ली है। अल-कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान खान जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ केस चल रहा है। पाकिस्तान की सरकार कई मौकों पर मलिक को दुबई से वापस लाने के लिए यूएई सरकार से संपर्क कर चुकी है, लेकिन उसकी बात नहीं बन पाई। अब पाकिस्तान की सरकार ने मलिक को वापस लाने के लिए इंटरपोल की मदद मांगी है। इसे खुले तौर पर यूएई के खिलाफ माना जा रहा है।

यूएई और पाकिस्तान के खराब होते रिश्ते

पाकिस्तान और यूएई के बीच लगातार रिश्ते खराब होते जा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान ने इस्लामिक नाटो के तहत सऊदी और तुर्की के साथ गठबंधन बनाने की कवायद शुरू की थी। इससे यूएई नाराज हो गया था। ईरान जंग के दौरान जब पाकिस्तान को सीजफायर की जिम्मेदारी मिली तो उसने यूएई को कन्फिडेंस में नहीं लिया, जिसके बाद यूएई ने खुले तौर पर उससे अपने कर्ज के पैसे मांग लिए। टाल-मटोली के बाद पाकिस्तान ने यूएई का कर्ज वापस कर दिया। अब पाकिस्तान की तरफ से यूएई के अरबपति को वापस लाने की बात सामने आई है।

दैनिक ठाणे, शुक्रवार 1 मई, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

करिश्मा कपूर का बोल्ड अंदाज

बॉलीवुड की करिश्मा कपूर आज भी अपने फैशन सेंस और स्टाइल से नई अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर देती हैं। 51 साल की उम्र में भी करिश्मा का ग्लो कम नहीं हुआ है। करिश्मा का ग्लैमरस अवतार देखकर अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वह दो बच्चों के मां है।

■ हाल ही में करिश्मा ने गोल्डन-ब्राउन रंग के मैटेलिक गाउन में अपनी कुछ दिलकश तस्वीरें शेयर की है। इस गाउन में डीप वी-नेकलाइन और फ्रंट थाई-हाई स्लिट है जो इसे काफी बोल्ड और सेक्सी लुक देता है। गाउन शोल्डर पर पफ स्लीव्स के साथ डार्क आर्मबैंड्स का इस्तेमाल किया गया है जो ड्रेस को एक शाही और ट्रेंडी लुक देते हैं। गोल्डन रंग के शिमरी और ड्रेप्ड फैब्रिक में करिश्मा बहुत ही ग्रेसफुल और आकर्षक लग रही हैं।

■ करिश्मा ने अपने इस ग्लैमरस लुक को पूरा करने के लिए बालों को बहुत ही करीने से बीच की मांग के साथ बांधकर स्लीक लो-पोनीटेल बनाई है। साथ ही न्यूड टोन मेकअप, डिफाइंड आइब्रोज, स्मोकी आईज और ग्लॉसी न्यूड लिप्स के साथ उनका मेकअप एकदम बैलेंस्ड और एलिगेंट है। एक्ट्रेस ने बहुत ज्यादा भारी ज्वेलरी के बजाय सिंपल और स्टाइलिश डैंगलर पर्ल इयररिंग्स और मैचिंग ब्रेसलेट पहने हैं। तस्वीरों में करिश्मा के पोज और फेशियल एक्सप्रेशन बेहद शानदार हैं। करिश्मा कपूर का ये अवतार दिखाता है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है। 90s की स्टार होने के बावजूद उनका स्टाइल आज भी यंग जनरेशन को इंस्पायर करता है।

हार्दिक की कप्तानी सवालों के घेरे में

मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। लेकिन पिछले कुछ सीजन के रिकॉर्ड को उठाकर देखे तो मुंबई की टीम सिर्फ कागजों पर ही मजबूत बनकर रह गई। आईपीएल 2024 में टीम की कमान हार्दिक पांड्या को सौंपी गई थी लेकिन उनकी कप्तानी में टीम ने निराशाजनक प्रदर्शन किया था। टीम आखिरी पायदान पर रही थी और सिर्फ 4 मैच जीत सकी थी। अगले सीजन टीम ने बेहतर किया और क्वालीफायर-2 तक पहुंचने में सफल रही लेकिन आईपीएल 2026 में एक बार फिर टीम पॉइंटस टेबल में गोते लगा रही है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी के साथ-साथ उनके प्रदर्शन पर भी सवाल उठ रहे हैं।

रिलीज करने की सलाह

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस जारी सीजन में टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। टीम ने अब तक 8 मैच खेले हैं और सिर्फ दो मैच जीत सकी है। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल ने फ्रेंचाइजी को हार्दिक पांड्या को रिलीज करने तक की सलाह दे दी है। उनका मानना है कि शायद नए कप्तान के आने से चीजें बेहतर हो जाएंगी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद क्रिकबज से बातचीत में साइमन डुल ने कहा कि मेरा सवाल ये है कि आपका अगले साल कप्तान कौन होगा? अगर वे कुछ बदलने जा रहे हैं, उनका अगले साल कप्तान कौन होगा? अगर हार्दिक पांड्या नहीं होंगे, तो उन्हें रिलीज करो। उन्होंने आगे कहा कि केवल इसलिए कि मुझे नहीं पता कि वह उस माहौल में कैसा प्रदर्शन करेगा, जहां वह खुद अंडरपरफॉर्म कर चुका है, उसकी टीम पिछले तीन साल से लगातार खराब प्रदर्शन कर रही है। यह उन्हें दबाव से मुक्त भी कर सकता है, और शायद नहीं भी। ये उसे ऐसा महसूस करा सकता है कि 'मैं फेल हो गया हूं।' ये दोनों तरफ जा सकता है। जब हार्दिक पूरी तरह से फिट होते हैं, तो वह खेल के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक रहे हैं। मेरा सिर्फ यही कहना है कि अगर वह कप्तान बनने जा रहा है, तो क्या वह पीछे हटने को तैयार हैं मेहनत करने को तैयार है और फिर से 'हार्दिक महान खिलाड़ी' बनकर खेलने को तैयार है? डुल ने कहा कि याद रखें कि कैसे 2024 में उन्होंने पूरे आईपीएल के दौरान कठिन समय का सामना किया था, लेकिन अंत में उन्होंने भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

2026 की सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्री?

2026 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय अभिनेत्रियों की लिस्ट काफी लंबी है। इस लिस्ट में दीपिका पादुकोण से लेकर प्रियंका चोपड़ा के अलावा कई अभिनेत्रियों का नाम शुमार है। ये हैं 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय अभिनेत्रियां, जिनकी फीस सुनकर आपको होश जरूर उड़ जाएंगे।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इस समय सबसे ज्यादा फीस लेने वाली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में उन्होंने 30 करोड़ रुपए लिए हैं। उनकी एक फिल्म की फीस अब 40 करोड़ रुपए तक हो गई है। प्रियंका अब फिल्म 'वाराणसी' और सीरीज 'सिटाडेल 2' में नजर आएंगी।

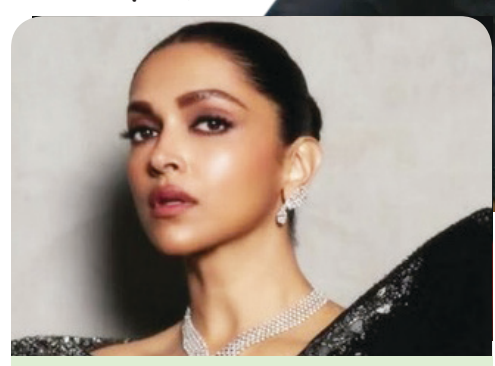

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण दूसरी बार मां बनने के बाद भी टॉप पर हैं। कथित तौर पर दीपिका एक फिल्म के लिए करीब 30 करोड़ रुपए फीस लेती हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में अल्लू अर्जुन के साथ 'राका' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' शामिल हैं। एटली कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 'राका' के लिए दीपिका को लगभग 25 करोड़ रुपए की फीस मिल रही है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट भी बहुत ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं। आलिया अपनी एक फिल्म के लिए लगभग 30 करोड़ रुपए फीस लेती हैं। आलिया फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' के लिए आलिया करीब 7 करोड़ रुपए फीस ले रही हैं। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया फिल्म के प्रॉफिट में हिस्सेदारी ले सकती हैं।

श्रद्धा कपूर

'स्त्री 2' की जबरदस्त सफलता के बाद श्रद्धा कपूर ने अपनी फीस बढ़ा दी है। श्रद्धा अपनी आगामी फिल्मों के लिए अच्छी फीस की डिमांड कर रही हैं। उनकी एक फिल्म की फीस 25 से 30 करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है। वे 'नागिन' और 'स्त्री 3' जैसी फिल्मों में काम कर रही हैं।

कटरीना कैफ

कटरीना कैफ बॉलीवुड की सबसे महंगी अभिनेत्रियों में से एक हैं। कटरीना अभी बच्चे के साथ समय बिता रही हैं। कटरीना की एक फिल्म की फीस 15 से 21 करोड़ रुपए के बीच है। 'टाइगर 3' जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी के लिए कटरीना ने 15 से 21 करोड़ के बीच फीस ली थी। फिल्मों के अलावा, कटरीना ब्रांड एंडोर्समेंट से भी काफी कमाई करती हैं।

करीना कपूर खान

करीना बॉलीवुड की सबसे महंगी अभिनेत्रियों में से एक हैं। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री करीना कपूर खान एक प्रोजेक्ट के लिए कथित तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए फीस लेती हैं। करीना जल्द ही फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दायरा' में करीना के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2025 में पूरी हो चुकी है। यह फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है।

2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों की धमाकेदार लिस्ट

जैसे-जैसे 2026 साल अपने मध्य की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इस वर्ष ने अब तक कई बड़ी सफल फिल्में दर्शकों को दी हैं। लेकिन अभी भी कई विशाल और बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं, जिनसे साल का दूसरा हिस्सा और भी भव्य और रोमांचक होने वाला है। भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों से सजी ये आने वाली फिल्में दर्शकों को बांधने और टिकट खिड़की पर धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक ओर 'मिजार्पुरः द मूवी' की सख्त और रोमांचक दुनिया है, तो दूसरी ओर 'रामायण' जैसा भव्य पौराणिक महाकाव्य—यह सूची हर तरह के मनोरंजन से भरी है। आइए नजर डालते हैं 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों पर, जो बड़े पर्दे पर राज करने वाली हैं।

मिजार्पुरः द मूवी

अमेजन एमजीएम स्टूडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत 'मिजार्पुरः द मूवी' इस फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुकी तीव्रता को और बड़े सिनेमाई स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है। यह फिल्म नए किरदारों, नई कहानी और ताजा टकरावों के साथ इसकी सख्त और रोमांचक दुनिया का विस्तार करेगी। गुरमीत सिंह के निर्देशन और पुनीत कृष्णा की लेखनी में बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु और शीबा चड्ढा जैसे दर्शकों के पसंदीदा कलाकार एक बार फिर नजर आएंगे। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पेड्डी

'पेड्डी' तेजी से 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो चुकी है, जिसमें राम चरण एक दमदार और बहुस्तरीय किरदार में नजर आएंगे। बुच्ची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म गहरे ड्रामा और प्रभावशाली कहानी का शानदार मिश्रण पेश करती है। फिल्म में जान्हवी कपूर, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वृद्धि सिनेमा और मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस

'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में तेजी से उभर रही है, जिसमें सलमान खान एक दमदार युद्ध आधारित कहानी का नेतृत्व कर रहे हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का झलक वीडियो साहस, बलिदान और जज्बे से भरी एक शक्तिशाली कहानी की ओर इशारा करता है। सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

द पैराडाइज

'द पैराडाइज' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें नानी एक पहले से बिल्कुल अलग, उग्र और कच्चे अवतार में नजर आएंगे। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने अपने लोकप्रिय गीत 'आया शेर' के जरिए पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर ली है, जो दर्शकों के बीच तेजी से पसंद किया जा रहा है। एक तीव्र और बांधकर रखने वाली कहानी का वादा करती यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को आठ भाषाओं में भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रामायण

रामायण की अमर कथा पर आधारित इस भव्य फिल्म को नितेश तिवारी बड़े पैमाने और गहरी भावनात्मक प्रस्तुति के साथ पर्दे पर ला रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में, साई पल्लवी सीता के रूप में और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सनी देओल और रवि दुबे भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। नमित मल्होत्रा द्वारा प्राइम फोकस स्टूडियो के तहत, डीएनईजी और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के सहयोग से निर्मित इस फिल्म का पहला भाग दीपावली 2026 पर रिलीज होगा।

टॉक्सिक

यश 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के जरिए बड़े पर्दे पर दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। यह एक प्रभावशाली कालखंड आधारित गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें ताकत, साजिश और रोमांच से भरी कहानी देखने को मिलेगी। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे मजबूत कलाकारों की टोली नजर आएगी। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के बैनर तले बनी यह फिल्म इस साल भव्य स्तर पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वनडे से कट सकता है ऋषभ पंत का पत्ता

भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे ऋषभ पंत भारतीय वनडे टीम से बाहर हो सकते हैं। आगामी वनडे विश्व कप को देखते हुए चयनकर्ता टीम में संजू सैमसन को मौका दे सकते हैं। वनडे में इस समय केएल राहुल विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद बने हुए हैं। ऋषभ पंत इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज का हिस्सा थे लेकिन फिर चोट के कारण बाहर हो गए थे। वहीं दूसरी तरफ संजू सैमसन ने टी-20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है।

■ टी-20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे संजू सैमसन ने आईपीएल 2026 में भी अपना फॉर्म बरकरार रखा है और 300 से ज्यादा रन बना चुके हैं। संजू सैमसन ने जारी सीजन में दो शतक भी लगाए हैं। वहीं दूसरी तरफ लखऊ के कप्तान ऋषभ पंत लगातार दूसरे सीजन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बतौर कप्तान भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और इस वजह से 50 ओवर के फॉर्मेट में चयनकर्ता संजू सैमसन पर भरोसा कर सकते हैं। संजू सैमसन इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए हैं, जहां वह एमएस धोनी के स्थान पर कुछ मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

संजू को मिल सकता है मौका

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय वनडे टीम में ऋषभ पंत की जगह दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में संजू सैमसन के नाम पर विचार कर रही है। केएल राहुल टीम के नियमित विकेटकीपर बल्लेबाज बने हुए हैं। ध्रुव जुरेल भी दावेदार हैं। भारत का अगला वनडे सीरीज अफगानिस्तान से है, जोकि 14 जून से शुरू होने वाला है। ऋषभ पंत टी-20 इंटरनेशनल में अपनी जगह खो चुके हैं उन्होंने इस फॉर्मेट में अपना पिछला मैच जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था।

नाना पाटेकर की जबरदस्त फिटनेस

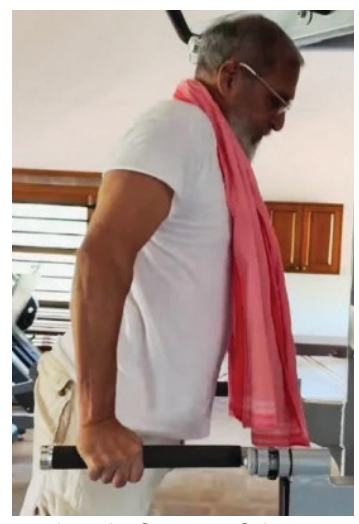

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी फिटनेस को लेकर चर्चा में आ गए हैं। 76 साल के नाना पाटेकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह वर्कआउट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में उन्हें ट्राइसेप डिप्स करते हुए देखा जा सकता है।

■ नाना पाटेकर का यह वीडियो फोटोग्राफर और प्रोड्यूसर अतुल कसबेकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में नाना पाटेकर को बहुत ही सहजता और बिना किसी थकान के 15 ट्राइसेप डिप्स लगाते दिख रहे हैं। वह टैन कलर की शॉर्ट्स, सफेद बनियान और गले में गमछा डाले नजर आ रहे हैं। अतुल कसबेकर ने वीडियो के कैप्शन में लिखा कि आ-हो नाना साहेब...!!! आपने मुझे अपने फिटनेस लक्ष्यों को रीसेट करने पर मजबूर कर दिया है। अतुल ने यह भी बताया कि उन्होंने वीडियो थोड़ा देर से बनाना शुरू किया, जिसके कारण वह पूरे 15 डिप्स रिकॉर्ड नहीं कर पाए, लेकिन जो उन्होंने कैद किया, वह वाकई प्रेरणादायक है।

■ इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। जहां कुछ लोग नाना पाटेकर की इस फिटनेस और अनुशासन की जमकर तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग उन्हें उनकी सुपरहिट फिल्म 'वेलकम' के लोकप्रिय किरदार 'उदय शेट्टी' के रूप में याद कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि 'कंट्रोल उदय कंट्रोल।' एक अन्य ने लिखा कि उदय भाई अभी भी एकदम फिट दिख रहे हैं। वहीं फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने भी इस वीडियो पर कमेंट कर अपना उत्साह दिखाया है। नाना पाटेकर अपने सख्त अनुशासन और सादगी भरे जीवन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बताया था कि वे हर दिन करीब डेढ़ से दो घंटे शारीरिक गतिविधियों को देते हैं। उनके वर्कआउट में केवल आधुनिक जिम एक्सरसाइज ही शामिल नहीं हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप